# HRA AN UNIVERSALE Che Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 39]

नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर ३०, 1978 (आश्विन, 8, 1900)

No. 391

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 30, 1978 (ASVINA 8, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रत्ना जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग III--खण्ड 1

#### PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महाले<mark>खापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत</mark> सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० एन-2/73-प्रणा० 5—-शाह जांच श्रायोग से प्रत्या-वर्तन हो जाने पर श्री एन० सी० वर्मा, पुलिस उप-श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना ने उसी पद पर दिनांक 17-8-78 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो • में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

> रिपुदमन सिंह, प्रशासनिक ग्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 सितम्बर 1978 सं० ग्रो० दो०-970/72-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री कृष्णा मूर्ति मोहन, उप-पुलिस ग्रधीक्षक, 34वी वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्यागपन्न दिनांक 10/8/78 (श्रपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-11, दिनांक 11 सितम्बर 1978

REGISTE

सं० 10/15/78-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-2 की प्रवर सूची के ग्रिधिकारी श्री वी० सुन्नमणिय स्वामी को भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 26 जुलाई 1978 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेशों तक सहायक महापंजीकार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री स्वामी ने उसी तारीख से, उसी कार्यालय में उनके द्वारा धारित वरिष्ठ श्रनुसंधान ग्रिधकारी के पद का कार्यभार छोड दिया।

पी० प<mark>द्मनाभ,</mark> भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय (ग्रर्थ विभाग)

भारत प्रभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 5 सितम्बर 1978

सं० 898/ए—दि० 10/11-2-76 के कम में श्री बाय० ग्रार० वैद्य को टिकट पूर्ति ग्रिधिकारी के रूप में नियुक्ती

(5547)

दि॰ 12-7-78 से भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में नियमित मानी है । डी॰ सी॰ मुखर्जी, महाप्रवन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

> भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, पश्चिम बंगाल कलकत्ता-1, दिनांक 3 ग्रगस्त 1978

सं० प्र० 1/1038-15/223—महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग अधिकारियों को श्रस्थायी श्रौर स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर निम्नलिखित तिथि से या महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय में उनके द्वारा वास्तव में लेखा श्रधिकारी का पद भार ग्रहण करने की तिथि से श्रन्य श्रादेश निकलने तक बहाली करने की कृपा की है।

#### सर्वश्री

- (1) रंजीत कुमार बोस 31-8-78 श्रपराह्न से
- (2) क्रज गोपाल सेन शर्मा 31-8-78 श्रपराह्म से लेखा श्रधिकारियों की परस्पर वरिष्ठता की घोषणा बाद में की जाएगी।

पी० के० बन्दोपाध्याय, वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

# कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० ए० प्रशासन 2889/130/75-78—लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं के निम्नलिखित स्थायी लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी उनके श्रामे लिखी तिथि से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

नाम तथा पद तिथि

सर्वेश्री

(1) वी०डी० लिमाय 31-7-78 (पूर्वाह्म)

(2) ए० वैंन्कटासुश्रामनियन 31-7-78 (पूर्वाह्म)

के० बी० दास भौमिक.

के० बी० दास भौमिक, वरिष्ठ उप निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक नई दिल्ली-110022, दिनांक 6 सितम्बर 1978

सं० 18122/प्रशा०-II---58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री जगन्नाथ कौल श्राई० डी० ए० एस० (कृषि एसं सिंचाई मंत्रालय में स्थानापन्न उप सिंचव के रूप में प्रति-नियुक्ति पर) दिनांक 31 जुलाई, 1978 श्रपराह्म से पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिए गए श्रौर तवनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहा।

सं०-18240/प्रशा०-II--- 58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री एम० जी० श्रग्रवाल, रक्षा लेखा उप नियंत्रक को दिनांक 28-2-79 (ग्रपराह्म) से पेंशन स्थापना को ग्रन्तरित कर दिया जायेगा श्रीर तदनुसार वे विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

> बी० एस० भीर रक्षा लेखा भ्रपर महा नियं<mark>त्रक</mark>

वाणिज्य, नागरिक श्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1978 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/414/56-प्रशासन/(रा०)/6248— राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में उप-मुख्य नियंत्रक, कुमारी एस० डी० मराठे को दिनांक 11 श्रगस्त, 1978 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश होने तक श्रहमदाबाद के कार्यालय में संयुक्त मुख्य निदेशक, श्रायात-निर्यात के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

#### विनांभ 6 सितम्बर 1978

सं० 6/407/56-प्रणा० (रा०)/6238—-राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में, उप-मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात, श्री एस० के० साहा को 10 जुलाई, 1978 के दोपहर बाद से श्रगला आदेण होने तक, कानपुर के कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं

> का० <mark>वें० सेषाद्रि,</mark> मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नि<mark>र्यात</mark>

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रणासन श्रनुभाग-!)

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1978

सं० प्र0-1/1(860)— पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड II) श्री जी० डी० राव दिनांक 31-8-1978 के श्रपराह्म से निवर्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सूर्य प्रकाश, उप निदेशक (प्रशासन) इस्ते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

#### प्रशासन ग्रनुभाग-6

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1978

मं० प्र०-6/247 (458)/63—ितरीक्षण निवेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद से प्रवनत होने पर श्री जी० बालकृष्णन ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (निरीक्षण स्कन्ध) नई दिल्ली में दिनांक 27 जुलाई 1978 के श्रपराह्म से इस पद पर का भार छोड़ दिया श्रौर निरीक्षण निदेशक मद्रास के कार्यालय में विनांक 14 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से उपनिवेशक (निरीक्षण) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड [I] का पद भार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० ए-19011(31)/16-स्था० ए०—-राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो के स्थायी ग्रधीक्षक खनिज ग्रर्थशास्त्री श्री ए० एस० गोपालाचारी को दिनांक 2 श्रगस्त 1978 के पूर्वाह्म रोग्रागामी श्रादेश होने तक उसी विभाग में तदर्थ श्राधार पर मुख्य खनिज श्रर्थशास्त्री के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011(35)/75-स्था०—-राष्ट्रपति, डा० जे० जी० के० मूर्ति, स्थायी धातु कर्मी, भारतीय खान ब्यूरो को अधीक्षक धातुकर्मी के पद पर आगामी आदेश होने तक दिनांक 2 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से तदर्थ आधार पर पर नियुक्ति प्रवान करते हैं।

सं० ए०-19011 (163) / 75-स्था० — राष्ट्रपति डा० एस० सी० पांडे, स्थायी रसायनविद् भारतीय खान ब्यूरो को विरिष्ठ रसायनविद् के पव पर आगामी आदेश होने तक दिनांक 2 अगस्त, 1978 के पूर्वीह्म से तदर्थ आधार पर नियुक्ति प्रवान करते हैं।

एस० बालगोपाल, कार्यालय ग्राध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

#### भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 7 सितम्बर 1978

सं० एफ० 70-2/74-स्थापना 15780—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिण पर श्री शुभेन्दु शेखर साहा, वरिष्ठ प्राणिविज्ञान सहायक, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, कलकत्ता,

को इसी विभाग में 28 ग्रगस्त, 1978 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी आदेशो तक, सहायक प्राणिवैज्ञानिक के पद पर कार्य करने के लिए, स्थाई ग्राधार पर, 650 रु०—1200 रु० के वेतन मान में नियुक्त किया जा रहा है।

> डा० टी० एन० श्रनन्तकुष्णन, निवेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

# श्राकाशवाणी महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1978

सं० 6(13)/61-एस०-एक—श्री सीं० डी० वर्मा, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, लखनऊ का 17-8-1978 को निधन हो गया ।

ग्रधीर कुमार बसु प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# सूचना ग्रीर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन ग्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० ए०-31014/3/78-स्था०—विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक श्री भारत सिंह भवौरिया, को 28 श्रगस्त, 1978 से इस निदेशालय में हिन्दी ग्रिधिकारी (विज्ञापन) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> श्रारं० देवासर, उप निदेशक (प्रशासन) कुते विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक

# राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना कोटा, दिनांक 6 सितम्बर 1978

सं० रापिवप/भर्ती/3(2)/78/स्था०/138 — राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्नलिखित प्राराजपितत तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नामों के सामने लिखे गए ग्रेड में उनके सामने दर्शाई गई तरीखों से प्रगले प्रादेश होने तक के लिए इसी परियोजना में ग्रस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं:—

क० सं०	नाम तथा पवनाम	पद जिस पर पर नियुक्त हुए हैं	कार्यभार संभालने की तारी ख
1	2	3	4
<ol> <li>श्री लक्ष्मी चन्द चौधरी, ड्राफ्ट मैन 'सी'</li> </ol>		वैज्ञानि श्रधि- कारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	1-2-78

1	2	3	4
2. श्री सूरत	िसिंह फोरमैन	वैज्ञानिक अधि- कारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	6-2-78
D	श चन्द डिडोलीवाल, क सहायक 'सी'	"	1-2-78
-	ि किशन मोटवानी, क सहायक 'सी'	,,	1-2-78
_	ताथ भारद्वाज, क सहायक 'सी'	"	1-2-78
	ामीनाथन नागराजन, क सहायक 'सी'	"	1-2-78

गोपाल सिंह प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1978

सं० ए०-32013/14/77-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित श्रिधिकारियों को, जो तदर्थ ग्राधार पर उपनिदेशक/ नियंत्रक संचार के रूप में कार्य कर रहे थे, दिनांक 13 जुलाई 1978 से श्रीर श्रन्य ग्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित ग्राधार पर उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के पद पर स्थानापक्ष रूप में नियुक्त किया है:—-

- 1. श्री एम० एस० कृष्णन
- 2. श्री किशू टेकचंदानी
- 3. श्री एस० कें० दास
- 4. श्री ए० एन० नाथ
- 5. श्रीपी० के० कालड़ा
- 6. श्री बी० एस० ग्रेवाल
- 7. श्री एस० सी० गोस्वामी

इनके मौजूदा तैनाती स्टेशनों में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

> हरबंस लाल कोहली निदेशक प्रशासन इस्ते महानिवेशक नागर विमानन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई दिल्ली-1, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० 14/78--श्रीमती सुनीपा बसु ने, जो पहले सीमा शुल्क गृह, कलकत्ता में सहायक समाहर्ता, सीमा शुल्क के पद पर कार्य कर रही थीं, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 25-4-78 के प्रादेश सं० 61/78 (फा० सं० ए० 22012/13/78) द्वारा निरीक्षण निदेशालय में स्थानातंरण होने पर दिनांक 24-8-78 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण प्रधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'क' का कार्यभार संभाल लिया है। एम० बी० एन० राव निरीक्षण निदेशक

निर्माण महानिवेशक का कार्यालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० 33/1/78 ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा भ्रायोग द्वारा नामित निम्निलिखत उम्मीववारों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 700/रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर उनके नाम के भ्रागे वी गई तिथि से उप-वास्तुक के श्रस्थाई पद पर नियुक्त करते हैं।

नाम तथा पद नाम नियु	केत की तिथि। -
1. श्री म्रार० के० कक्कड़, उप-वास्सुक	12-7-1978 (पूर्वाह्न)
1. श्री जी० के० कोड़ा, उप-वास्सुक	13-7-1978 (पूर्वाह्र)

 उक्त लिखित उप-वास्तुक, उनके नामों के म्रागे दी गई तिथि से 2 वर्ष की म्रविध के लिए परीवीक्षा पर रखे जाते हैं।

> कृष्ण कान्त प्रशासन उपनिदेशक-2

संपदा निदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1978

सं० ए० 20013/12/78-प्रमा० "ख"—विधि मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) के सहायक विधि सलाहकार श्री ग्रार० एन० मिश्रा, (केन्द्रीय विधि सेवा में ग्रेड-4) जो साथ-साथ संपदा निदेशालय में संपदा उप निदेशक (मुकदमेबाजी) के पद पर तैनात थे, ने तारीख 12 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्म) से संपदा निदेशालय में उक्त पद खाली कर दिया है।

2. श्री ग्रार० पी० ग्रग्नवाल, सहायक विधि मलाहकार (केन्द्रीय विधि मेवा में ग्रेड-4) ो तारीख 12 मिनम्बर, 1978 (पूर्वाह्म) में संपदा निदेशालय, निर्माण श्रीर श्रावास मंत्रालय में साध-माथ रूपवा उप निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

जी० रामचन्द्रन, सपदा उप निदेशक (प्रशा० और नीति)

विधि, न्याय श्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी स्रिधिनियम 1956 स्रीर उत्कल पेन्टस एन्ड स्रलाएड प्रोडक्टस प्राईवेट लिमिटेड के विषय मे

कटक, दिनांक 5 सितम्बर 1978

सं० एस० ए० 551/2045 (2)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की ध्रारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि उस्कल पेन्टस एन्ड श्रालाएड प्रोडक्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है, श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 भौर फिउडाल प्राईबेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 5 सितम्बर 1978

सं० एस० ए० 514/2046(2)— कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एसद्द्वारा सूचना वी जाती है कि फिउडाल श्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है, श्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

विलीप कुमार पाल कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उडीसा

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर संगम स्टोन बेर पैपस प्राईबेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० 6674/560(5)/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (9) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सगम स्टोन वेर पैपस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

स० सत्यनारायण, कम्पनियो का रजिस्ट्रार

#### प्रक्रम पाई० टी० एन० एस०-

न्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेष्वर, दिनांक 16 सिप्तम्बर 1978

निर्देश सं० 76/78-79/1ए०सी० (ए०/म्रार०)/बी० एन० आर०---यत: मुझे, बी० मिश्र आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-दपए से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 895 है, जो बालिसटी पुरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रेजिट्रर्ड ग्राफ श्रासुरिन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-12-1977

1908 (1908 का 16) के प्रधान 19-12-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित
में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी साय या किसी धन या धन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया का जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-प के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. (1) रेनुका बाला सरकार
  - (2) विधिका सरकार
  - (3) निमता मजुमदार
  - (4) भिबटा बोस
  - (5) श्रनिता राय
  - (6) भ्रजन् दास
  - (7) श्री मुरली गोपाल सरकार
  - (8) श्री बंसी गोपाल सरकार
  - (9) शोमारानी राय चौधरी मध्यम ग्राम जिला 24-प्रगना।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री देव कुमार भौिमक
- (2) श्री प्ररुत कुमार भौमिक 2-रिनक्रांच रोड कलकत्ता-2। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ' सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समान्त होती हो, के भीतंर पूर्वोंक्त ' व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवæ
  किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

हपच्छीकरण:--इसमें संयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित ह, वहीं पर्य होगा जो उस भड़्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक मल्ला मकान 895 प्लाट पर मौजा बिलिसाई, पुरी जिला में स्थित है, वह मकान रेजिस्ट्रार श्राफ श्रासुरेन्स कलकत्ता में 19-12-1977 तारीख में रजिस्ट्रर हुआ, जिसके डाकुमेंट नं बे-5824 है।

बी० निश्र सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भूबनेश्वर

तारीख: 16-9-78

प्ररूप म्नाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1820---यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

म्रायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुप से स्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है । मारकीट नं० 98 रन के हैं तथा जो बाजार नाहरीसां जालन्धर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 259ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री सुरक्षणारानो पत्नी तरलॉकी नाथ धीर मुलतानपुर रोड कपूरथला (म्रन्तरक)
- 2. मै॰ हरभज सिंह संभ्त टैन्ट हाउस बाजार नाहरियां जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 4. जैमा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)
  - जो व्यक्ति संपत्ति में रूचि रखता है।
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मारकीट नं० 98 एन० के० बाजार नाहरियां जालन्धर जैसा की विलेख नं० 5969 जनवरी 1978 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 11-9-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०~

भ्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० नं० 1821—यतः मुझे बी० एस० दहियाः

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है। है तथा जो कोठी नं० 155 श्रार० माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्व श्रनुसूची में श्रौर पूणे रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) स्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के प्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:--

- 1. श्रीमती जोगीधर कौर पतनी जगदीश सिंह 250 ऐल, माडल टाऊन, जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बलबंत कौर पत्नी लाल सिंह 155 ब्रार॰, मांडल टाऊन, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ( वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है )
- 4. जो० व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्यव्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

1/2 हिस्सा कोठी नं० 155 श्रार० माडल टाऊन जालन्धर जैसा कि विलेख नं० 6237 जनवरी 1978 का रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी में लिखा है।

> बी॰ एस॰ दहिया, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11 सितम्बर 1978

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1822---यतः मुझे बी० एस० दहिया,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूचि में है। तथा जो मुरादपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ह्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधियनयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ९ के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 2—266GI/78

- 1. श्री ग्रमर जीत सिह पुत्र बलवंत सिह 697 माडल टाऊन जालन्धर (श्रम्तरक)
  - 2. गांव धामी कला, जिला हशियारपुर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पति में ६चि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में उधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव इ है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घ्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20--क में परिभाषित हैं, वही धर्यं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 38 कनाल मुराद पुर में है जैसा कि विलेख नं० 6262 जनवरी 1978 को रजिस्ट्री कर्त्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दिहया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 11-9-1978 मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1823—यतः मुझे बी० एस० दक्षिया,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूचि में है। तथा जो बस्ती पीर दादखान में स्थित है (श्रीर इमसे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति थे उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्स भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी फिसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीन्:—

- 1. श्री नन्द कशोर पुत्र रूलयाराम विद्या भवन मिठा बजार जालन्धर (म्रन्तरक)
- 2. मैं० नेशनल रबड़ श्रोर कैमीकल उद्योग बस्ती ब॰ ब॰ खेल, 144021 जलन्धर, (ग्रन्तरिती)
- \*3. जैसा कि पर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- \*4. जो व्यक्ति सम्पति मे रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यंगहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:--इमर्मे प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

फैक्ट्री जो बस्ती पीर दाद खान में है जैसा कि विलेख नं० 6304 जनवरी 1978 को रजिस्ट्री कर्त्ता श्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज़ जलन्धर

दिनांक 11**~**91978 । मोहर : प्ररुप ग्राई० टी० एन० एस०<del>-----</del>

प्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जलन्धर्ॄ जलन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1824—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

म्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है।

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रन् सूची में है। तथा जो बस्ती पीर दाद खान जलन्धर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, मार्च 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नही किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

- 1. श्री नन्द किशोर पुत्र रूलया राम विदया भवन, मिठा बाजार, जलन्धर (ग्रन्तरक)
- 3. मै० नैशनल रबड ग्रौर कैमिकल उदयोग, बस्ती बाबाखेल, 144021, जलन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि उपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण .--इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

र्फन्ट्री, जो बस्ती पीर दाद खान में है जैसा कि विलेख नं० 7321 मार्च 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज जलन्धर

दिनांक 11 <del>9</del>-1978 भोहर प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

द्यायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 व (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1825—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से मिधिक है,

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रव सूची में है, तथा जो न्यु मार्कीट फैक्ट्री कलोमी जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में वास्तिबक अप मे कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबन उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्तः भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, के, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रिष्ठीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- ठाकर मोहन लाल भौर श्रमकी तारो, गली नं० 2 सैंद्रल टाऊन जलन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री फहते सिंह पुत्न चतर सिंह जी० 54 पीक टी कलोनी, जलन्धर (धन्सरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति जिसके मधि-भोग में सम्पत्ति र)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता र कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यकाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रवित्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित्व, जो भी श्रविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इपक्कोकरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्रिचिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा,जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

8 मरले जमीन न्यू मारकीट पी० क्टी कलोनी के साहमने जलन्धर जैसा कि विलेख नं० 6524 जनवरी, 1978 को रिजस्ट्री कर्त्ता ग्रिधकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 11-9-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जलन्धर कार्यालय जलन्धर, विनांक 11 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० बी० नं० 1826—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात' उक्त अधिनियम' कहा गया है) की 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्शि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूचित में है। तथा जो शहीद सिंह नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जल धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- I. श्रीमती नसीब कौर पतनी दिलवबाग सिंह गांव थोगीटी

   तहसील जलन्धर
   (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुदेश कुमारी जैन पत्नी राज पाल जैन 76/77 विजये नगर जलन्धर (भ्रन्तरिती)
  - जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
    (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्ष रीजानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध 'जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भाधिनियम के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

्लाट नं० 651 कनाल, 1 मरला 153 म० फुट शहीद ऊद सिंह नगर जलन्धर जैसा कि विलेख नं० 7247 का 2/78 को रजीस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बीं० एस० वहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण,) ग्रर्जन रेंज जलन्त्रर,

दिनांक 11-9-1978 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

न्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मगस्त 1977

सं० 129/78-79—यतः मुझे (के० एस० वेंकट रामन) आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से श्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० बेगम पेट, विष्णु भवन में पहले मंजिल पर प्लाट नं० 6 है, जो सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उबाबद अनु-सूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 । 16) के श्रधीन 1977 दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रइ प्रतिशत से ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिडव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:---

- (1) श्री विष्णु वदुमल सहानि कला भवन के पास, आई जि० पिकार्यालय के सामने सईफाबाद, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री दारा ए० रानजी प्लाट नं० 6, 1-11-258/5, बेगम पेट सिकिन्द्राबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी धअवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथह होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### म्रनुसूची

पहीला मंजीला पलाट नं० 6 घर नं० 1-11-251/5 बेगम पेट सिकन्द्राबाद में है दस्तावेज नं० 2176/77 उपरिजस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14-8-1978 मोहर: प्ररुप भाई० टी० एन० एम० ---

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रगस्त 1977

सं० 130/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन, ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इमके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3, पहला मंजिल, मं० नं० 1-11-251/5---- है, जो बेगम पेट सिकन्द्राबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1977 दिसम्बर।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमा न प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरकें (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 169-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रिधील:---

- (1) श्री विष्णुमल बदुमल सहानि कलाभवन के पास, आई० जि०पि० कार्यालय के मामने, सहफानद, हैवराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चिक्का कनकाइन्ती रेगिनालड 6/13 ब्राडी पेट, गुन्टूर श्र०प० (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सप्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20 — क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

नीम्जीका सता भप नं० 2 धंर नं० 1-11-251/5 बेगम पेट सीकन्द्राबाद में रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2081/77 उपरजीस्ट्री कार्याक्षय सीकीद्राबाद में

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14-8-1978 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एम०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अगस्त 1978

सं० 131/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 67, 111 एस डी० रोड, सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकिन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1977 दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से घधिक है भीर म तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त म्रधिनियम के म्रधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; म्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रिधितियम की धारा 299-ग के ध्रनुमरण में, मैं, उक्त श्रिधितियम, की धारा 299 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- (1) श्री स्वास्तिक कनस्ट्रवंशन 111 एस डी० रोड, सिकिन्द्राबाद (ग्रन्तर्क)
- (2) श्री ग्रमतुल फातिमा 112-2-458/16, मेहदी पट्टनम हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### चन्त्र को

मलगी नं० 67 जमीन के सतापर घेन्द्रालोक काम पेलकम का घर में 111 मेस डी० रास्ता सीकीन्द्राबाद में है दस्तावेज का नं० 2134/77 उपरजीस्ट्री कार्य सीकिन्द्राबाद।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14 ग्रगस्त 1978 मोहर: प्ररुप भ्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 भ्रगस्त 1978

सं० 132/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/रुष्ण से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 47 है, जो चन्द्रालोक कम्पलैंक्स सिकन्दराबाद स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिर्थात :---3---266G1/78

- (1) मेंसर्स स्वास्तीक कनसट्रेकणन कम्पनी, 111 एम० डी० रोड, सीकन्दराबाद में। (प्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रमतुलफतीमा मकान न० 12-2-458/16 मेहदीयटनम हैदराबाद (ग्रन्तरिती)
- (3) आफिसर-इन-चार्ज, भारतहैवी इलैक्ट्रीक्लम लि० दुकान नं० 47, चन्द्रालोक कम्पलैक्स, सीकन्दराबाद (यह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इह सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं० 47 चन्द्रालोक कम्पलैक्स में सरोजीनी देवी रोड में स्थित है सीकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण दस्तावेज मे 2131/77 अपर रजिस्ट्री कार्यालय सीकन्दराबाद में।

> के० एस०वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 16-8-1978

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायंक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 16 अगस्त, 1978

सं० 133/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 4-2-4, है जो राष्ट्रपति रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क्षा 16) के श्रधीन 1977 दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधियनम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रन: भ्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिशीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:--

- (1) श्री लिंगा णंक्षरमा लिंगा नागेन्दर, श्रीमित पर्वतम्मा 5038 सेकेण्ड बजार सिकन्दराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) शारदा देवी 10/1/611/8 वेस्ट मारेडबली, सिकन्दराबाद (ग्रन्तरिती)
- (3) कुन्चल बिन्नी टेक्सटाइल राजेदनर प्रसाद द्वारा, 4-2-4 ग्रार०पी० रोड सिकन्दराबाद (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिमेग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

- उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—
  (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया ंगया है।

#### ग्रमुस्ची

सम्पती का ने 4-2-4-आर पी रास्ता सीकीन्द्राबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2045/77 उपरिजस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में हैं।

(के० एस० बेंकट रामन) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 16-8-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 भ्रगस्त 1978

सं० 134/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-8-553 है, जो श्राबीद रास्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिसम्बर 1977

नियम, 1908 (1908 का 16) क अधान दिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रयीत्:—

- (1) श्री सीव सरनदास पिता गुरुदत्तमल 3-5-378 नारायन गुडा, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) (i) मैंसर्ज क्वालिट बार श्रौर केफे 5-8-553 श्रविद रोड हैदराबाद (ग्रन्तरिती)
- (ii) वासुदेव चेटवाल पिता स्वर्गवास मोहनलाल चेतवाल मनेजिंग पार्टनर, मैंसर्ज क्वालिटी बार एवं केफ
- (iii) हरीचन्द्रा चेटवाल पिता वासुदेव घेटवाल 5-4-642 कटल मंडी हैदराबाद (ग्रन्तरिती)
- (3) मैसर्ज क्वालिटी बार ग्रौर केफ 5-8-553 ग्राबिद रोड हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों स्नौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसूची

मूलगी न० 5-8-553 एडमियरिंग 139.7 वर्ग गज, ग्रिबिद रोड में स्थित हैं, हैदराबाद रजीस्टर्ड दस्तावेज न० 3536/77 द्वारा उप-रजिस्ट्रार हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 16-8-1978

अरूप **माई०** टी० एन० एस•---

मायकर मश्चिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 289घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 भ्रगस्त 1978

निदेश सं० ग्रर्जन /1650 ए/स० पुर/77-78---श्रतः सृष्टो एल० एन० गुप्ता,

श्रायकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्टिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269 ख के श्रिष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रीक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) झम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रतृ-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, प्रधीतः !---

- 1. श्री सरस्वती देवी विधवा बलन्तसिंह, कृष्ण कुमार सिंह व नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र बलवन्त सिंह निवासी लन्छोरा परगना मंगलौर में स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधारी लाल जैन साझीदार निवासी गोन्दिपुर हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रूड़की जिला सहारनपुर (ग्रन्सरक)
- 2. श्रीमती श्रन्तोदेवी स्त्री मोती लाल निवासी बड़ा जोगीवाडा अपर रोड हरिद्वार परगना ज्यालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में मगान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- असमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिश्वितयम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं गर्थे होगा, जो उस ग्रहसाय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रचल सम्पित्ति भूमि व भवन न० 31 स्थित लन्ढोरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़ की जिला सहारनपुर 940000 ं में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता ्सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-1978

मोहरः

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर धर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 ध (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 श्रगस्त 1978

निदेश सं० ग्रर्जन /1650 ए० (2)/ए० पुर/77-78— ग्रतः मुझे एल० एन० गुप्ता,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे समने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के श्र्योजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम की धारा 289-भ की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:---

- 1. सरस्वती देवी विधवा बलवन्तसिंह कृष्ण कुमार सिंह व नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र बलवन्तसिंह निवासी लन्ठौरा परगना मंगलौर व मे ० स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन साझीदार निवासी गोविन्दपुर हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुभाश चन्द्र व ग्रशोक कुमार पुत्र राज किशोर निवासी मोती बाजार हरिद्वार परगना ज्यालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की शब्धि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शब्धि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिन्यम, के शब्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

म्रचल सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 12 व 12 ए० लन्होरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार परगना ज्वालापुर सहसील रुड़की जिला सहारनपुर 14000 में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम अधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, कानपुर

तारी**ख** 23-8-1978 मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 श्रगस्त 1978 निदेश सं० 1650 ए० (3)/श्रर्जन/सहारनपुर/77-78----श्रतः मुझे एल० एन० गुप्ता,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 299—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रीधक है।

श्रौर जिसकी सं अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो अनुसूची के श्रनुसार रिथत है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भ्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भ्रौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिक्षितयम के श्रशीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या

धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रत: श्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित:—

- 1. श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह एवं नरेन्द्र कुमार सिंह, पुत्रगण बलवन्त सिंह नि० लन्ढोरा हाउस परगना मंगलोर एवं मेसर्स स्वास्तिक कम्पनी गोविन्द पुर हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन पार्टनर निवासी गोविन्द पुर हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर (श्रन्तरक)
- 2. सर्ज श्री हमेन्द्र कुमार एवं प्रमोद कुमार पुत्रगण भगवत प्रसाद गुप्ता निं मोती बाजार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नयम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रचल सम्पति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 18 डी० एवं 18 ई० स्थित लन्धोरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रूड़की जिला सहारनपुर 15000/ विऋय मूल्य में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-1978

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 ग्रगस्त 1978

निदेश नं० म्रर्जन /1650 ए० (4) /स० पुर/77-78---यत: मुझे एल० एन० गुप्ता,

स्रायकर स्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से स्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० है तथा जो अनुसूची के प्रनूसार रिथत है (प्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रिधकारी के कार्यालय हिरद्धार में, रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख दिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के प्राप्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देग्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायत्वि में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्राय कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रथित:——

- 1. श्री मती सरस्वती देवी, विधवा बलवन्तसिंह, कृष्ण कुमार सिंह नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र बलवन्त सिंह, निवासी लन्छौर, परगन मंगलौर व मे० स्वास्तिक कम्पनी, गोविन्दपुर, हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन साझीवार, निवासी गोविन्दपुर, हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तहसील रुड्डकी, जिला सहारनपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुभाष चन्द व मनोज कुमार पुत्र भगवत प्रसाद गुप्ता, मोती बाजार हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर। (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्रजल सम्पति, भूमि व भवन नं० 18 व 18 ए स्थित लन्ठौरा हाउस, मोती, बाजार हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला महारनपुर 18000), में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धार। 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

क।र्यालय, सह।यक घ्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 श्रगस्त 1978

निदेश सं० ग्रर्जन/1650 ए० (5) स० पुर०/77-78— अतः, मुझे, एल० एन० गुप्ता, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

स्पए से ग्रिधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या श्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्—

- 1. श्रीमित सरस्वती देवी, विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह व नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र बलवन्त सिंह, निवासी लन्ठौरा, परगना मगंलौर व में ० स्वास्तिक कम्पनी, गोविन्द पुर, हरिद्वार, द्वारा रतनलाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन, साझीदार, निवासी गोविन्दपुर, हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तहसील म्ड्की, जिला सहारनपुर।
- 2. श्री जौहरी लाल जैन पुत्र केशव शरण जैन, निवासी श्रवण नाथ नगर, हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रो 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्दोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

म्रचल सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 5 लन्ठौरा हाउस, मोती बाजार, परगना ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर 19000 में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-1978

प्ररुप भाई० टी० एन० एस० -

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 26-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 ग्रगस्त 1978

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं श्रमुस्ची के श्रमुसार है तथा जो श्रमुस्ची के श्रमुसार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायंकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो ग्रथित:---

4 -266 GI/78

- 1. श्रीमती सरस्वती देवी, विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह एवं नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण बलवन्त सिंह, निवासी लन्ठौरा प० मंगलौर एवं स्वास्तिक कम्पनी, गोविन्दपुर, हरिद्वार, द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन, पार्टनर, नि० गोविन्दपुर, हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तह० रुड़की, जिला सहारनपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री तिलकराज पुत्र दौलत राम नि० श्रवण नाथ नगर, हरिद्वार,परगना ज्वालापुर,तह० रुड़की, जिला सहारनपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सप्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाय्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रचल सम्पति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 4 स्थित लन्ठौरा हाउस, मोती बाजार, हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तह० रुड़की, जिला सहारनपुर 12,000/- के विकथ मूल्य में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-1978

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 23 म्रगस्त 1978

सं० भ्रर्जन/1650-ए०/स० पु०/77-78--श्रतः, मुझे, एल० एन० गुप्ता,

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से म्रधिक है

भौर जिसकी सं० श्रनुसूची के अनुसार है तथा जो श्रनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से अधि ह है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269--ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269--घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथति:----

- श्रीमती सरस्वती वेवी, विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह व नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र बलवन्त मिंह, निवासी लन्ठौरा, परगना मंगलौर व मे० स्वास्तिक कम्पनी गोविन्द पुर, हरिद्वार, द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन, सौबीबार, निवासी गोविन्दपुर, हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तहसील रुड़की जिला सहारनपुर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सरोज रानी शर्मा पत्नी ग्रिश्विनी कुमार शर्मा, निवासी श्रवण नाथ नगर, हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  ं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्दीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

श्रवल सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 2 स्थित लन्ठौरा हाउस, मोती बाजार, हरिक्कार, परगना ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर 17,500/- में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 23-8-1978 मोहर: प्ररूप धाई० डी० एन० एस०---

**भा**यकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 श्रगस्त, 1978

सं० 16508ए (8)/श्रर्जन/सहारनपुर/77-78—श्रतः मुझे एस० एन० गुप्ता आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1977

का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के ग्रंभीन कर देने के ग्रन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिथे;

बतः, घव, उक्त ग्रिष्ठितियम की घारा 269ग के घनुसरण में, में, उक्त ग्रीधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के प्रवीन, निम्निसित व्यक्तियों नवीत्:—

- (1) श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, एवं नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण बलवन्त सिंह, नि० लन्ढौरा, प० मंगलौर, एवं मैंसर्स स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर, हरिद्वार, द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन पार्टनर, निवासी गोविन्दपुर हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रुड़की, जिला सहारनपुर, ।
- (2) श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी हरी प्रसाद नि० मोती बाजार हरिद्वार प० ज्वालापुर त० रुड़की, र्जिला सहारनपूर।

(ग्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका पम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त पम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधियात हसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 9 स्थित लन्ढौरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार पं० ज्वालापुर तह० रुड़की जिला सहारनपुर 11,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-8-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कांयाँलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 म्रगस्त, 1978

सं० 1650ए (9)/म्रर्जन/सहारनपुर/77-78--म्रतः मुझे एस० एन० गुप्ता ग्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

इसक पश्चात् 'उक्त भाधानयम कहा गया ह), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मिधक है

भौर जिसकी सं० ध्रनुसूची के ध्रनुसार है तथा जो घ्रनुसूची के घ्रनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख दिसम्बर, 1977

(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है ग्रीर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किया। नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों की जिन्हों भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में मुक्खिन के लिए।

अतः भव, उसत प्रधिनियम, की भारा 269-ग के प्रनु सरण में, मैं, उस्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपशारा (1) के धान्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रजीत् :--- (1) श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवंत सिंह, कृष्ण कुमार सिंह एवं नरेन्द्र कुमार सिंह, पुत्रगण बलवंत सिंह, नि० लन्ढौर, प० मंगलौर, एवं मैसर्स स्थास्तिक कम्पनी गोविन्वपुर, हरिद्वार, द्वारा रत्न लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन, पार्टनर, नि० गोविन्दपुर, हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रुड़की, जिला सहारनपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता जैन पत्नी जौहरी लाल जैन, नि० श्रवण नाथ नगर, हरिद्वार, प० ज्वालपुार त० रुड़की, जिला सहारनपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अब्बाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 3, 4, 5-सी, 15, 16 स्थित लन्ढौरा हाउस मोती नगर बाजार हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रुड़की, जिला सहारनपुर 15800/-के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ६ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 23 अगस्त 1978

सं∘ भ्रार्जन/1950-ए {(10)/स॰ पुर/77-78---श्रतः मुझे एल॰ एन॰ गुप्ता,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- क्पये मे ग्रिधिक है और जिसकी सं०......है तथा जो......में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख विसम्बर, 1977

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
  - (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त प्रधिनियम को घारा 269-म के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थातः— (1) श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवंत सिंह, कृष्ण कुमार सिंह व नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र बलवंत सिंह, निवासी लन्छौरा परगना मंगलौर व मे० स्वास्तिक कम्पनी।

(ग्रन्तरक),

- (2) 1. गोविन्द पुर हरिद्वार द्वार द्वारा रत्न लाल जैन, पुत्र गिरधर लाल जैन, साभीदार निवासी गोविन्द पुर, हरिद्वार परगना, ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर।
  - श्री ग्यान चन्द पंसारी पुत्र लाल चन्द, निवासी श्रवण नाथ नगर हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्मन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत्र--

- (क) इस सूत्रना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उसर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे :

ह्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं ग्रयें होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### **ग्रनुसूची**

श्रवल सम्पत्ति भूमि व भवन नं 1 स्थित लम्बौरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रूड़की, जिला सहारनपुर 13000 में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त, निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, कानपुर,

तारीख : 23-8-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत गरकार

्कार्यालय, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 23 श्रगस्त, 1978

सं० 1650 ए (17) /म्रर्जन/सहारनपुर/ 7778—म्प्रतः मुझे, एल० एन० गुप्ता,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रु से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रभीन तारीख दिसम्बर, 1977

का 16) के प्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उखित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
से प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) मीर मन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक्ष
कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्रमीन निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्गत्।——

- (1) श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवंत सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, एवं नरेन्द्र कुमार सिंह, पुत्रगण बलवंत सिंह, नि० लन्डौरा प० मंगलौर, एवं मैसर्स स्वास्तिक कम्पनी, गोविन्वपुर हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन, गिरधर लाल जैन पार्टनर नि० गोविन्द पुर हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रुड़की जिला सहारनपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शांति देवी पत्नी चंदी प्रसाद नि० हवेली महंत घनश्यामगिर मोती बाजार हरिद्वार प० ज्वालापुर त० रुड़की, जिला सहारनपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हु।

उक्त मंपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविधि, जो भी ध्रविधि श्रद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्चनल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 13 एवं 13-ए, स्थित लन्डौरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रुड़की, जिला सहारनपुर 22,000 रुके विक्रय मूल्य में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त, (निरीक्षण), (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 23-8-1978-

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रव, नदाव ह प्राव हर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 भ्रगस्त, 1978

सं० 1650-ए (12)/म्रर्जन/सहारनपुर/7778—स्त्रतः मुझे, एस० एन० गुप्ता

ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से अधिक है

धौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) ग्रीर अन्तरित (अन्तरितियों) मे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तविष रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसो भाय की बाबत, उक्त अधिय नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसा किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रा: प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:→- (1) श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवंत सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, एवं नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण बल-वंत सिंह, नि० लन्छौरा परगना, मंगलौर एवं० मैसर्स स्वास्तिक कम्पनी गोविषेदपुर हरिद्वार, द्वारा रतन लाल जैन, पुत्र गिरधर लाल जैन, पार्टनर निवासी गोविन्दपुर हरिद्वार परगना ज्वाला-पुर, त० रुड़की, जिला सहारनपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी पत्नी राम श्रोतार श्रग्रवाल, नि० छोटा जोगीवाडा मोती बाजार, हरिद्वार प० ज्वालापुर, त० रुड़की, जिला सहारनपुर। (श्रन्तरिती)

#### जनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माश्रेप:--

- (क) इस मूत्रना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी व मे 15 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूत्रना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भो प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 15 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब दे किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मर्तेंगे।

हपडहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है

#### अनुसुची

ष्रचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 6 स्थित लन्डौरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार परगना ज्यालापुर त० रुड़की जिला सहारनपुर 11,000 रु० के विकय मूल्य में बेची गयी।

एल० एन० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

(श्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 23-8-1978.

प्ररूप भाई० टी • एन० एस•----

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीत सूत्रता

भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजँन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 23 ग्रगस्त, 1978

सं० धर्जन/1650-ए(13)/स० पुर/77-78--- श्रतः मुझे, एल० एन० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-धा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० .......है तथा जो......में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977

श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भ्रष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा र्सालए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी बन ना अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिव्यतियम, या धन-कर भिव्यतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् :--- (1) श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवंत सिंह, कृष्ण कुमार सिंह व नरेन्द्र कुमार सिंह, पुत्न बलवंत सिंह, निवासी लन्डौरा परगना मंगलौर व मे० स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन, साझीदार निवासी गोविन्द-पुर, हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील घडुकी, जिला सहारनपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वेद कुमारी स्त्री गंगा प्रसाद निवासी नानकबाड़ा विष्णुघाट हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील घड़की, जिला सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पब्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्रवन समाति भूमि व भवत नं० 11-ए स्थित लन्डौरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर, 13000 रु० में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) '(श्रर्जंन रेंज), कानपुर

तारीख: 23-8-1978.

प्रसप माई० टी० एन० एस०-

आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269 ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 श्रगस्त, 1978

सं० 1650-ए (14)/प्रजीन/सहारनपुर/7778— प्रतः मुझे, एल० एन० गुप्ता प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधिकियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, ग्रथित्:— 5—266GI/78 (1) श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवंत सिंह कृष्ण कुमार सिंह एवं नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण बलवंत सिंह नि० लन्डौरा प० मंगलौर एवं स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन पार्टनर नि० गोविन्दपुर हरिद्वार प० ज्वालापुर त० रुड़की, जिला सहारन-पुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बरफी देधी पत्नी णिव चरन नि० मोती बाजार हरिद्वार प० ज्वालापुर त० रुड़की जिला सहारनपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाओप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छी सरण: --- इसमें प्रयुक्त सम्बों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

## धनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 7 एवं० 7 ए, स्थित लन्डौरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार प० ज्वालापुर त० रुड़की जिला सहारनपुर 12,000 रु० के विकय मूल्य में बेची गयी।

एल० एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-1978

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 भ्रगस्त, 1978

सं० 1650ए (15)/म्रर्जन/सहारनपुर/7778—म्रतः मुझे, एल० एन० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर संपति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है तथा जो भ्रनुसूची के भ्रनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्या-लय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के भ्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रग्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण जिख्ति में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ब्रन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ब्रधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिंचिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिंचिनयम, या धनकर मिंचिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के क्ष्प;

भतः प्रव, उमत प्रधिनियम की धारा 269का के धनु-सर्ग में, में, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवंत सिंह कृष्ण कुमार सिंह, एवं नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र गण बल-वंत सिंह नि० लन्डौरा पं० मंगलौर एवं मैससं स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन पार्टेनर नि० गोविन्दपुर, हरिद्वार पं० ज्वालापुर त० ६इकी, जिला सहारनपुर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री स्नासाराम पुत्न तुलसी राम नि० शेखपुरा कनखल एवं० श्रीमती मुल्ली देवी विधवा कामेश्वर प्रसाद, नि० राम चांदकन, पं० ज्वालापुर, त० रुड़की, जिला सहारनपुर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी झन्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भिधितयम के भ्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित हैं वही श्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अमुसूची

ग्रजल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 22 स्थित लन्डोरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार प० ज्वालापुर तह० रुड़की, जिला सहारतपुर 35,000 रु० के विकय मूल्य में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अबीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 ग्रगस्त, 1978

निवेश सं० फ्रर्जन/1650-ए/16/स० पुर/77-78—ग्रतः मुक्षे, एल० एन० गुप्ता,

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चिंबत बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

(भौर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से धिषक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रिक्षितयम के भिष्ठीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-त के ग्रनुसरण म,में, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयात्।— 1. श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह व नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र बलवन्त सिंह निवासी लन्छौरा परासा मंगलौर व मे० स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन साशीदार निवासी गोविन्दपुर हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर ।

(श्रन्तरक)

 श्री चन्द्र शेखर पुत्र राम नाथ व श्रीमती सीता देवी स्त्री रामनाथ व श्रीमती शिवरानी स्त्री चन्द्र शेखर परगना ज्यालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेका मन्यति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्टें होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्चल सम्पत्ति भूमि व भवन में 20 स्थित लन्हौरा हाउस मोती बाजार हरिबार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर 30000/- रु० में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 23-8-1978

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिपियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 श्रगस्त, 1978

निवेश सं० 1650 (17)/म्रर्जन/सहारनपुर/7778:—म्प्रतः मुझे, एल० एन० गुप्ता,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० भनुसूची के भ्रनुसार है तथा जो भ्रनुसूची के भ्रनुसार में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर 1977

- को पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रितिफल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है मीर मन्तरक (मन्तरकों) मीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
  - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/बा
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रम्य श्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रिष्ठिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयौत्:— शीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह कृष्ण कुमार सिंह एवं पं० नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण बलवन्त सिंह जि० लन्धौरा पं० मंगलौर एवं मैसर्स स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर हरिद्वार द्वारा रक्षन लाल जैन पुत्र गिरधर लाल जैन पार्टनर जि० गोविन्दपुर हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रुड़की जिला सहारनपुर।

(श्रन्तरक)

2. श्री हरिश्याम खेबड़ी पुत्र जोति प्रसाद श्रीमती लक्ष्मन देई पत्नी हरिश्याम खेबड़ी, उमेश कुमार एवं रंगनाथ पुत्र उक्त नि० नीलखुदाना पं० ज्वालापुर त० रुड़की जिला सहारनपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त स्रिक्ति नियम के स्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भर्य होगा, जो उस सक्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 21 स्थित लन्छौरा हाउस मोती नवाजार हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० चड़की जिला सहारन-पुर 30,000/- रु० के विक्रयमूल्य में बेची गयी ।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •--

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 ग्रगस्त, 1978

निदेश सं० 1650-ए० (18)/सहारनपुर/77-78:——म्नतः, मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्पए से प्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई
है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक
(भ्रन्तरकों) गौर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के श्रधीन निम्नसिक्त व्यक्तियों, श्रथित :-- शीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह, किशन कुमार सिंह, नरेन्द्र कुमार सिंह, पुत्रगण बलवन्त सिंह नि० लंढौरा पर० मंगलौर मैसर्स स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर हरिद्वार द्वारा रतनलाल जैन पार्टनर नि० गोविन्दपुर हरिद्वार, परगना ज्वालापुर तह० रुड़की जि० सहारन-पुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रेनुका देवी पस्नी चन्द्रामोहन टंडन निवासी लंढौरा हाउस मोती बजार हरिद्वार, पर० ज्वालापुर तह० रुड़की, जिला० सहारनपूर।

(श्रन्तरिती)

को यह पूजना जारी करके पूजींकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: - इसमें श्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

# अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि एवं इमारत नं० 26 एवं 26 ए० जो लंढौरा हाउस, मोती बजार, हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, तह० रुड़की जि० सहारनपुर में स्थित है इसका. हस्तान्तरण १० 16,500/- में० किया गया है।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 23-8-1978

प्रकप माई • टी • एन • एस •----

मायकर मिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के मिमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 23 भ्रगस्त 1978

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यये से प्रधिक है और जिसकी सं० प्रनुसूची के प्रनुसार है तथा जो प्रनुसूची के प्रनुसार में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख विसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रजीत, निम्निसिक्त स्पक्तियों सर्यात्।--- 1. श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह किशन कुमार सिंह, नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण बलवन्त सिंह नि० लंढौरा परगना मंगलौर मैससे स्वास्तिक कम्पनी गोविन्व पुर हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन, पार्टनर नि० गोविन्वपुर हरिद्वार, पर० ज्वालापुर, तह० रुड़की, जि० सहारनपुर।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती कृष्ण कुमारी पत्नी किसोर सिंह नि० हन्वेली पुंच हाउस, हरी की पौढी, हरिद्वार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपहा में प्रकाशन की सारी के से 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त मिंध-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही मधं होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

श्चनल सम्पत्ति इमारत एवं भूमि नं० 10 जो ग्राम लढौरा हाउस मोती बजार हरिद्वार, पर० ज्वालापुर तह० रुड़की जि० सहारनपुर में स्थित है इसका हस्तान्तरण 15,000/- में० किया गया है।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर **प्रायु**क्त निरीक्षण श्र**जैं**न रेंज, कानपूर

तारीखा: 23-8-1978

प्ररुप **म्राई**० टी० एन० एस०<del>---</del>

भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 23 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० भ्रर्जन 1650-ए० (20)/सहारनपुर/77-78:----भ्रतः मुझे, एल० एन० गुप्ता,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है।

धौर जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस उक्स भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

म्रत: म्रव, उस्त भिधितियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के म्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रयति:—

- श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह श्रौर नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण बलवन्त सिंह निवासी लन्धौरा परगना मंगलौर श्रौर मैंसर्स स्वास्तिक कम्पनी गोविन्वपुर हरिद्वार, द्वारा श्री रतन लाल जैन ।
  - (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कृष्ण देवी पत्नी वेद प्रकाण निवासी लन्धोरा हाउस मोती बाजार, हरिद्वार प० ज्वालापुर त० रुड़की जिला सहारनपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तरीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा संकेंगे ।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति नं० 25 एवं 25ए जो कि लन्धोरा हाउस मोती बाजार हरिक्कार परगना ज्वालापुर त० रुड़की जि० सहारनपुर। जिसका हस्तांतरण 10000/- में किया गया।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 23-8-78.

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनाक 23 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० भ्रजैन/1650-ए (21) सहारनपुर/77-78:---भ्रतः मुझे, एल० एन० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

भौर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है तथा जो सूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखत में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी कि ती बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रपत् :— शीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह ग्रौर नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण बलवन्त सिंह निवासी लन्धोरा, परगना मंगलौर ग्रौर मेसर्स स्वास्तिक कम्पनी गोविन्वपुर हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रुड़की जिला सहारनपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सरोज कुमारी जैन पत्नी राजेन्द्र कुमार जैन निवासी सरवन नाथ नगर हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रुड्की जि० सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे ।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

श्रचल सम्पत्ति मं० 3 जो कि लन्धोरा हाउस मोती बाजार हरिद्वार परगना ज्वालापुर त० रुड़की जि० सहारनपुर । जिसको 12000/- में बेचा गया है ।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-8-78

भोहर :

प्रकृप माई० टी॰ एन० एस०----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 भ्रगस्त, 1978

निदेश नं० 1650 ए(22)/म्रर्जन /सहारतपुर/77-78---म्रतः मझे एल० एन० गुप्ता,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इक से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्स अन्तरण लिखत में वास्तविक कप में काबत नहीं किया वथा है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बावत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के बायित्य में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्चात्:— 6--266GI/78 शीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह एवं नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण बलवंत सिंह नि० लंढौरा, पं० मंगलौर एवं मेससं स्वास्तिक कम्पनी गोविन्दपुर, हरिद्वार द्वारा रतन लाल जैन, पुत्र गिरधरलाल जैन पार्टनर नि० गोविन्दपुर हरिद्वार प० ज्वालापुर, त० रूड़की, जिला सहारनपुर।

(श्रन्तरक)

2. पंडित रामेण्यर प्रसाद पुत्र ज्याला प्रसाद नि० मेल्ला रोर्ड हरिद्वार, परगना ज्वालापुर, त० रूड्की, जिला सहारनपुर ।

(ग्रन्तरिती)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितयद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

श्रचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 17 एवं 17 ए, स्थित लन्दौरा हाउस, मोती बाजार, हरिद्वार परगना ज्वालापुर, त० रूड़नी जिला सहारनपुर 10,000 ६० के विकथ मूल्य में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख 23-8-78 मोहर :

# प्ररूप धाई०टी० एन∙ एस०---

भायकर म्रिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269च (1) के म्रिमीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 28 भ्रगस्त 1978

निदेश सं० श्रर्जन/897/फिरोजाबाद /77-78—श्रतः मुझे एल० एन० गुप्ता आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

आयंकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सभागाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

धौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार ही स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, भन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से तुई िकती आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भग्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत प्रधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. श्री हरी शंकर व कीरती राम पुत्रगृण कन्हई सिंह निवासी ग्रार्यनगर, फिरोजाबाद, जिला ग्रागरा । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नाथूराम उर्फ विजयाराम पुत्र धनीराम , वीरेन्द्र देवी स्त्री नाथूराम, रमेश चन्द (बालिंग) व सुरेश चन्द व महेश चन्द (ना० बा०) पुत्रगण बालाप्रसाद खुद, मंरक्षक रमेश चन्द पुत्र बाला प्रसाद निवासी रामगढ़ मजरा दीदामई, तहसील फिरोजाबाद, जिला भ्रागरा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किना व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त भिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

श्रचल कृषि सम्पत्ति स्थित ग्राम ग्रासलपुर, तहसील फिरोजाबाद, जिला श्रागरा 86000 रु० में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-8-78

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० 881/ग्रर्जन/हाथरस/77-78—ग्रतः, मुझे, एल० एन० गुप्ता

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० ध्रनुसूची के ध्रनुसार है तथा जो ध्रनुसूची के ध्रनुसार ही स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हाथरस में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है प्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) शौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—  श्री डोरी सिंह पुत्र श्री जीवाराम, नि० लधोता, पोस्ट सासनी, प०व० त० हाथरस, श्रलीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 सुहागवत्ती, पत्नी कोमल सिंह नि० मंडला, श्रीमती विट्टो पत्नी केन्द्रपाल सिंह नि० मंडला, पोस्ट गौदा, त० कोल, जिला श्रलीगढ़।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भ्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम लधौवा तहसील हाथरस , जिला भ्रलीगढ़ 45,000/-रु० के विकय मूल्य में बेची गयी ।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-8-78

# प्रकप भाई • टी • एन • एस •--

श्रायकर अकिनियम, 19€1 (1961 का 43) की आरा 269 प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निवेश सं० श्रर्जन/872/सादाबाद/77÷78—अतः मुझे एल० एन० गुप्सा

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्कात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-द • से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रीर्बंह्स से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-12-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है, भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से धिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्यों से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम; के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (बा) ऐसी किया बाय या किसी प्रन या प्रस्य मास्तियों की जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग की जपधारा (1) के ग्रधीन भिम्नलिखित अभितयों ग्रणीत्:—  श्री नरायन पुत्र केहरी निवासी कोठी, मौजा विठार, तहसील सावाबाद, जिला मधुरा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरेशचन्द पुत्र बासुदेव सादाबाद, व श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी गंगाप्रसाद निवासी हाथरस व श्रीमती कुसुम कुमारी पत्नी लखमन प्रसाद, निवासी वृत्दावन, जिला मधुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्तेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्तिद्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिचाषित है बही अर्थ होगा जो उस प्रष्टमाय में दिया गया है।

# ग्रन्**स्**षी

श्रवल कृषि सम्पत्ति स्थित ग्राम विठार, तहसील सावाबाद जिला मथुरा, 85,000 रु० में बेची गयी।

> एल० एन० गुप्ता (सक्षम प्राधिकारी

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-8-78

प्रकृप भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

र्प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निदेश सं० 899/ग्रर्जन/फिरोजाबाद/ 17-78—ग्रतः मुझे एल० एन० गुप्ता

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मिधिक है

भौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फिरोजबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है, भीर भन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीम कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

भतः मन उन्त मिमिन्यम की घारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269 व की उपचारा (1) के भवीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:----  श्रीमती जानकी विधवा निहाल सिंह नि० बरतरा त० फिरोजाबाद जिला ग्रागरा ।

(भ्रत्तरक)

2. श्रीमती निर्मेला देवी पत्नी कृष्णा दत्त कठारा, श्रीमती विमला देवी पत्नी प्रयाग नारायण कटारा सुरेण चन्द पुत्र करन सिंह कटारा स्व० प्रवधनारायन पुत्र राम सिंह कटारा नि० बरतरा त० फिरोजाबाद, जिला श्रागरा।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

#### उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) द्रिस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

हपण्डोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्राधिनयम, के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह्वी श्रयं होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम बरतरा तहसील फिरोजाबाद, जिला श्रागरा 30,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

> एल०एन० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-8-78

प्रकप शाई • टी • एम • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० राज॰/सहा० ग्रा॰ ग्रर्जन— /—यतः मुझे एम० पी० वाशिष्ठ

मायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी हं० के-5 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 30-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
बास्तिक स्थासे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधितियम के भिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (खा) ऐसी किसी घाय या किसी धन या मन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिलाने में सुविधा के लिए;

श्रन: ग्रव उनत अधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्नत विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन ग्रथीत् :—  सरवार लखनीर सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री रामिकशन जाजू पुत्र श्री फूल सिंह किशन जाजू निवासी के-5, फतेह टोबा, जयपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रज्न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्साक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त झिछ-नियम के श्रध्याय 20-क में यदा परिभाषित हैं, बही शर्म होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है

# अनुसूची

फ्तेहटोबा में स्थिस संख्या के-5 जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 149, दिनांक 30-1-78 पर पंजिबद्ध विकथ मूल्य पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप में विवरणिस है।

> एम० पी० वाशिष्ठ स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक ग्रायकर ग्रायु**क्तनि (नि**रीक्षण),** ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-8-78

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

मायकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 14 स्रगस्त 1978

निदेश सं० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन—/ /—ग्रतः मुझे एम० पी० वाशिष्ट आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० के-5 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुस्ची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 30-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है, भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपस अधिनियम के भधीन कर देने के भ्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्सियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रप्त: भन, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की बारा 269-च की उपघारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--  सरदार समता सिंह पुत्र गणेण सिंह, अयपुर' ।

(भ्रन्तरकः)

 श्रीमती प्रेमलता जाजू पत्नी श्री रामिकशन जाजू के-5, फ्लेहटोबा, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भो ध्राक्षेप:---

- ( ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति उत्तर, भन्नोहस्ताक्षेरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त भिधिनियम, के भड़याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं सबंहोगा जो उस भड़याय में विषा गया है।

# ग्रनसूची

सं० के-5, फतेहटोबा, जयपुर स्थित सम्पत्ति जो उप पंजियक जयपुर हारा ऋम संख्या 148, दिनांक 30-1-78 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में स्रोर विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० पो७ वाशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 14-8-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 14 प्रगस्त 1978

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/ /-- यतः भूसे एम० पी० वाशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-

रपए से प्रधिक हैं
श्रीर जिसकी सं के-5 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं
(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं)
रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर से रिजस्टीकरण
श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-1-1978
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपक्ष के लिए शन्तरित की गई हैं भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपक्ष का
पण्डह प्रतिशत से श्रिषक है भीर भन्तरक (अन्तरको)
श्रीर धम्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उच्त धम्तरण
लिखित में वाश्वीक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उनत भ्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नाहिए था, ष्टियाने में सुविधा के लिंक;

प्रतः भव, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपसारा (1) के प्रभीग निम्नलिखित स्यक्तियों, नर्षात्:—-

- 1 सरदार लखकोर सिह पुत्र स्वर्ण सिह एव दलजीत सिह पुत्र दर्शन सिह, जयपुर (ग्रन्तरक)
- 2 श्री जयिकणन जाजू पुत्र श्री रामिकशन जाजू, निवासी के-5, फतेह टीबा जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की घबिध या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रबिध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदा का, जो उक्त अधि-नियम, के भव्याय 20क ने परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया ,गया है।

#### अनुसूची

के-5 नामक सम्पत्ति जो फतेहटीबा, जयपुर में स्थित है ग्रौर उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम मख्या 150, दिनांक 30-1-78, को पिजबाद विक्रण पन में ग्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> ्म० पी० वाशिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, जयपूर

तारीख: 14-8-78

#### मारस सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 14 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० गज/सहा० भ्रा० भ्रजंन / —-श्रत मुक्षे एम० पी० वाशिष्ठ

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- उ० से अधिक है

मीर जिसकी सं० खंडेला हाउस है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध म्रनुस्थी में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 21-12-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह भित्तरत भिष्क है भीर मन्तरक (म्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सिध-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमू-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित :-- 2<sup>4</sup>66 GI/78  श्रीमती किशोर कंवर विधवा स्व० श्री संग्राम सिह जी, खंडेला हाउस, , संसार चन्द रोड, जयपुर

(ग्रन्सरक)

 श्री एस० के० अंसल ए-27, कान्ती चन्दर रोड, बनीपार्क, जयपूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस-सूचना के राजपल में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उड़त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रकोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिव-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा जो उस मन्याय में विया गया है।

## अनु सुची

फर्स्ट फ्लोर, खंडेला हाउस का भाग, जो संसार अन्य रोड, जयपुर पर स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2492. दिनांक 21-12-77 पर पंजियबध्यंद विकय पक्ष में और विस्तृत रूप से विवर्णात है।

> एम० पी०वाशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर।

नारीख: 14-8-78

्मोहरः

प्रक्र माई० टी• एन• एस० ----

द्यायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ(1) के ग्रमीन सूचना

<del>,भारत सरकार</del>

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 14 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० राज०/साहा० म्रा० म्रर्जन/ /—-म्रतः मृझे एम० पी० वाशिष्ट,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के श्रधीन सक्षम श्रिषकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से श्रधिक है

25,000/- २० से भावन हैं
श्रीर जिसकी सं० खंडेला हाउम है तथा जो जयपुर में स्थित हैं
(श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं)
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-12-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमाम
अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
भरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक
क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधिनियम के मधीन कर वेने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म मैं, उपत अधिनियम, की भारा 269-भ की उपश्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित अ्यक्तिकों, सर्वात्:---

 श्रीमती किशोर कंबर विश्वा, स्वर्गीय श्री संग्राम सिंह, खंडेला हाउस, संसार चन्द रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती तारा बंसल पत्नि श्री एस० के० बंसल, ए-27, कान्नी चन्दा रोड, बनीपार्क अयपुर।

(म्रन्त<sub>रिती)</sub>

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेन के मम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्राप्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थळी बरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत श्रिधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# यनुसूर्या

फर्स्ट फ्लोर, खंडेला हाउस का भाग, को संसार चन्द्र नोड, जयपुर पर स्थित है भौर उप पाजियक, जयपुर द्वारा ऋमांक 2493, दिनांक 21-12-77 पर पंजिबद्ध विश्वय पद्ध में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाजिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, अयपुर।

तारोख: 14-8-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 14 भ्रगस्त 1978

निदेश सं० राज०/सहा आ० अर्जन/ /---यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ
भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

इसक परचात् उक्त भाषानयम कहा गया ह), का बारा 269म्ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रु० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं े हैं तथा जो चुरू में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिषक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंथ, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम, की घारा 269-च की अपघारा (1) के ग्रंबीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——  श्री नवरतन गोयनका, 6 श्रन्शीपुर पार्क रोड, कलकत्ता ।

(भ्रन्सरक)

 श्री सत्य नारायण खेमका, 4, न्यू हावड़ा क्रिज एशोच रोड, कलकत्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जम के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणाः— इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त शक्षितियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस शब्दाय में विया गया है।

## अनु सूची

स्टेणन रोड, चुरू में स्थित सम्पत्ति में ग्रविभाजित ग्राधा भाग, जो उप पंजियक, कलकत्ता द्वारा क्रम संख्या 5589, दिनांक 7-12-77 पर पंजिबड़ विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> ्म० पी० वाणिष्ठ, मक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपूर।

तारीख: 14-8-78

/--ग्रसः मुझे,

प्रकृप माई० टी॰ एनं० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के समीन सूचनां

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

<sup>-</sup>श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 भ्रगस्त 1978

निदेश स० राज० /सहा० ग्रा० ग्रर्जन

एम० पी० वाणिष्ठ, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- द० से मधिक है ग्रीर जिसकी स० —— है तथा जो चुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 (का 16) के अधीन 7-12-77 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याह प्रतिफत

से ग्रंधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित

में बास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए भीर/ या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय कर श्रिधनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त श्रिधनियम', या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्ः  श्री शिवरतन गोयनका, 6 ग्रलीपुर पार्क-रोड, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्याम सुन्दर खेमका, 4 न्यू हाबड़ा क्रिज ग्राप्तीच रोड, क्रिक्तिता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के भ्रजेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो का, जो 'उमत झिंछ-नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही ग्रथं होगा, जो उस श्रष्टवाय में विया गया है।

## अनुसूची

स्टेशन रोड, चुरू (राजस्थान) में स्थित सम्पत्ति का श्रविभाजित श्राधा भाग जो उप पंजियक कलकत्ता द्वारा क्रमांक 5590, दिनांकः 7-12-77 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 14-8-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस •----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निदेण मं०ए०पी० ३२४/एन०इब्ल्यू०एस०/ 78-79—यतः मुक्ते, पी० एन० मलिकः,

भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रभीन सक्तम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इतए से भ्रिधक है,

श्रीर जिसकी मं० जैसा श्रनुस्ची में लिखा है तथा जो जूड़ियाला में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्द्री रुटी श्रीधकारी के कार्यालय नवाँ णहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 1 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षृष्यमान प्रिाफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिशत से श्रधिक है
भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे
अ तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया
है !---

- (क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रश्नितयम, के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एंसी किसी आप या किसी धन या प्रान्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्मशिखित व्यक्तियों, भर्गात्:—  श्री सखन राम पुन्न सुन्दर दास गांव दियाजा तहसील गढ़ शंकर भ्रव गांव जंडियाला, तहसील नवां शहर।

(श्रन्तरक)

 श्री खुशाल चन्द, मथेला राम प्रतान टाहला राम गांव जंडियाला, तहसील नवां शहर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है।

(वह, श्यक्ति जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिचाबित है, वहीं प्रश्रं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जंडियाला, गांव में 28 कनाल थ्रौर 13 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3875 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी नवां ग्रहर में लिखा है।

> गी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 28-8-78

### प्रकप चाई० टी• एन• एस•--

द्यायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निदेश सं०ए०पी० 325/एच०एस० श्रार०/78-79—यतः मुझे पी० एन० मिलक,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बोटला गौनसपूर में स्थित है (श्रीर इससे उपायत श्रनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय हुशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक्षक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत धन्तरण लिखित में वास्त-चिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्राध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में मुविधा के लिए;

झतः सब, उक्त सिंधिनयम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त सिंधिनयम की घारा 269-व की उपधारा (1) के सिंधीन निम्मणिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:--  श्री कर्मचन्द पुत्र बचित्तर सिह पुत्र कीर्त सिह गांव कोटला गोनस पुर, हुणियारपुर।

(म्रन्तरक)

 श्री चमन लाल पुत्र हंम राज पुरु शिव दमाल वासी जगतपुरा (हंशियारपुर)।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिभिधोग में सम्पत्ति है)

 जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उन्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी घाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि
  बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उक्त अड्याय में विया गया है।

# अमुसूची

क्ोटला, गुनसपुर में 37 कनाल 5 मरले कृषि भूमि जैसा कि विनेख नं० 3578 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी हृशियारपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 28-8-78

से अधिक है

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा दिनांक 28 ग्रगस्त, 1978

निवेश सं० ए०पी० 326/एम०जी०ए०/78-79—यतः मुझे पी० एम० मलिक आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत नाजार मृह्य 25,000/- द०

श्रौर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फलहगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ं रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जीरा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनथम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है भीर मृत्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) ग्रस्तरण से हुई जिसी भाग की गायत उपत अधि-नियम, के धधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे गवने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ध) ऐसी किसी भाग या किसी बन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भिष्ठिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए।

भता भन, उन्त अधितियम की भारा 269-ग के नितुसरण में में, उन्त अभिनियम की भारा 269 म की उपचारा (1) के भूजीन निन्नलिजित व्यक्तियों, प्रचात् :---

- 1. श्रीमती हरदीय कौर पुत्री सुन्दर सिंह पुत्र रणजोधिस ह गांव फलहगढ़, तहसील जीरा (फिरोजपुर)। (भ्रन्तरक)
- श्री बोहड़ सिंह पुत्र दयाल सिंह पुत्र क्रिशन सिंह वासी फलहगद, तहसील जीरा' (फिरोजपूर)।
   (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
   (वह त्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो न्यक्ति सम्पत्ति में ४ चि रखता है।
  (वह व्यक्ति जिसके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)
  को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
  लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रम्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त धिनियम, के मध्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस सम्याय में विवा गया है।

# मनुसूची

५लहगढ़ गांव में 83 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि विरुख ं० 5288 जनवरी, 1978 रजिस्दी कर्ना श्रिधकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, भटिशा

तारीध : 28-8-1978

प्रकम ;ब्राई• दी० एन० एस०--

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त, 1978

निदेश सं० ए०पी० 327 /एन०डड्स्यू०एस०/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख़ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जंड़ियाला में स्थित है (श्रीर जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्य पास्तियों
  को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रक्षिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धन-कर
  प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं
  प्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
  बाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए।

अतः शव, उनत अधिनियम नी भारा 269-ग के अनुसरण में, में, खक्त अधिनियम नी धारा 269-व की समझारा (1) के अभीन, निम्मिसिक स्पिन्तियों, अर्थात् :---  श्री धर्म चन्द पुत्र भगत राम गांव गोविन्दपुर तहसील नयां गहर ।

(श्रन्तरक)

 श्री सुन्दर दास पुत्र श्रत्तरु राम गाव जडियाला तहसील नया गहर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रकेंत के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
  भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

### अनुसूची

जंडियाला गांव में 20 कनाल भूमि जैसा कि विलेख नं० 3876, जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नवांशहर ! में लिखा है ।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

.तारीख: 28 ध्रगस्त 1978

प्रका ग्राई० टी०एन० एस -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निवेश सं० ए० पी० 328/एन०डब्ल्यू०एस०/78-79—स्तः मुझे, पी० एन० मलिक

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/• रूपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जंडियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रेधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विधा जाना चाहिए था, छिपान म मुविधा के लिए;

भातः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, का धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 8—266G178  श्री प्यारा राम पुत्र मुन्दर वास गांव दयाला, तहसील गढ़ शंकर, श्रब गांव जंडियाला (नवां शहर)।

(ग्रन्तरक)

2. श्री चौदुरी राम, मथेला राम पुतान टाहला राम गांव जंडियाला (नवां शहर)।

> (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है ) (श्रन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बर्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मयधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मयधि, जो भी मयधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रभुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के घष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

जंडियाला गांव में 28 कनाल 13 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3878, जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, भटिंडा

**तारीख: 28-8-**78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आगयकर अधिनिथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त, 1978

निदेश सं० ए०पी० 329/एम०जी०ए०/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क०

से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किशनपुरा कलां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जीरा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं भीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है, भीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्परण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिमिनियम के ग्रिमीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा मे लिए; श्रीप/ण
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या ध्रम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त श्रिधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री दलीप सिंह, सुरजीत सिंह पुत्रान, उजागर सिंह पुत्र खडक सिंह, गाव किशनपुरा कला, तहसील जीरा।

(भ्रन्तरक)

2 श्री हरनाम सिंह पुत्र हजारा सिंह पुत्र सदा सिंह गांव कुकड़ी बुटां, तहसील जीरा।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 में है ।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इप सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं वही श्रथं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## अनुसूची

किशनपुरा गांव में 62 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 5255 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जीरा में लिखा है ।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 28-8-78 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० ए०पी० 330 /एच०एस०ग्रार०/ 78-79—यतः, मुझे,पी० एन० मलिक,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ मे घिषक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो हकुमतपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गढ़ शंकर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1978 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पर्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त भिक्षितयम' के प्रश्नीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घष्ठितियम, या घन-कर प्रधितियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए की उपश्चारा (1) के प्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री गिरधारी लाल पुत्र गोकल चन्द पुत्र नानक, गांव थुम्राना, तहसील गढ़ शंकर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री गुरबचन सिंह पुत्र मलुक सिंह पुत्र भगवान सिंह, गांव खुद्याना, तसहील गढ़ शंकर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविश्व, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क
  किसी प्रन्य व्यक्ति क्षारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

श्वक्दोश्वदण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उत्तत श्रिक्षिमियम' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

हकुमतपुर गांव में 25 कनाला 1 मरला जमीन जसा कि विलेख नं० 2920, जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी गढ़ शंकर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निकीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख ! 28-8-78 मोहर : प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन मुसना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, विनांक 28 श्रगस्त, 1978

निदेश सं० ए०पी० 331 /एच०एस०म्रार०/78-79---यतः मुझे पी० एन० मलिक

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाशार मूल्य 25,000/— रुपये से ग्रिधिक है,

भीर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हकुमतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है ) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गढ़ शंकर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरिक (मन्तरिकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के भ्रघीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः सब, उक्त सिंधिनियम, की धारा 269-ग के समुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निभ्निजिस्ति व्यक्तियों, सर्थात्।—  गिरधारी लाल पुत्र गोकल चन्द पुत्र नानक गांव थोवाना, तहसील गढ़ शंकर।

(भ्रन्तरक)

 श्री गुरबचन सिंह पुत्र मलुक सिंह पुत्र भगवान सिंह गाव थोवाना तहसील गढ़ शंकर।

(भ्रन्तरिती)

उ जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे स्वि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिविनयम के झध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्थ श्वीगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

हकुमतपुर गांव में 25 कनाल 3 मरलें कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2972 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी गढ़ शंकर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 28-8-1978

### प्राक्षप भाई० टी० एन० एस∙---

प्रायक्षर शिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए०पी० 332/एमजीए/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीत सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० जैंसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो जीरा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जीरा मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है ——

- (क) ग्रन्तरण म हुई किसी माय की **बाबत, उक्त** र्घाधनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिबिनियम, या धन-कर मिबिनियम, या धन-कर मिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः शव, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त पश्चिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :--

- 1. श्री चनन सिंह उर्फ चर्ण सिंह, लखबीर सिंह संतोख सिंह, करतार सिंह, दरबारा सिंह पुत्रान बाज सिंह पुत्र सुचेत सिंह वासी भंडाला पुराना तहसील जीरा।
  (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शिगारा सिंह श्रनुप सिंह भगवंत सिंह पुत्रान जिश्रोन सिंह पुत्र बिशन सिंह वासी जीरा।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुची रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मंग्रित के ग्रानेत के मंग्रंध गॅं कोई भी ग्राक्षेग: --

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख ने 45 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के झध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जीरा में 32 कनाल कृषि भ्मि जैसा कि विलेख नं० 5316 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-8-1978

प्रकृप भाई० टो• एन॰ एस•----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज भटिंडा कार्यालय भटिंडा, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए०पी० 333/एच०एस०ग्रार०/78-79—यतः मुझे पी० एन० मिलक आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो नंगल खुर्द में स्थित है (श्रौर इउसे उपावद्ध में श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़ शंकर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप में कथित महीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के घंधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः घव, उकत घितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उकत घितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात:—  श्री महंगा सिंह पुत्र ज्वाला पुत्र सुन्दर गांव नंगल खुर्द तहसील गढ़ शंकर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री फुमन पुत्र गोंदा पुत्र चन्दु वासी नंगल खुदै तहसील गढ़ शंकर। (श्रन्तरिती)
- श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सप्म्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

नंगल खुर्द गांव में 60 कनाल 4 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2979 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गढ़ शंकर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भटिंडा

तारी**ख**: 28-8-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ध (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यातर, रहाय ह प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज भटिंडा

भटिडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए०पी० 334/बी०टी०ग्राई०/78-79—-यतः, मुझे पी० एन० मलिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि प्रमुसूची में लिखा है तथा जो चंदभान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित थाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से भ्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी वावत उक्त सिध-नियम के मधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (था) ऐसी किसी बाय या किसी घन या ग्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा र लिए;

भतः भव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिन्नीन निम्निलिखित व्यक्तियों भर्यात :—

- श्रीमती निहाल कौर विधवा गज्जन सिंह गांव चन्द भान। (श्रन्तरक)
- श्री चन्द मिंह, नन्द मिंह, महेन्द्र सिंह मिठु सिंह बलदेव सिंह पुतान सञ्जन सिंह गांव चन्द भान। (ग्रन्ति रिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं।
   (वह व्यक्ति, जिस के श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ब्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ब्रध्याय में दिया नया है।

#### ग्रनुसूची

चन्द भान में 71 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 1135 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी जैतो में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भटिंडा।

तारीख: 28-8-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर प्रधिनियम 19 1 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भटिंडा,

भटिडा, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० पी० 335/एन०डब्ल्यू०एस०/78-79— यत: मुझे, पी० एन० मलिक, प्रायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो बंगा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नयां शहर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिष्ठक है और अन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी ध्राव्य की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के ध्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, में, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1)के ग्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:--

- श्री भारत प्रापर्टी डीलर द्वारा चुनीलाल गांव बंगां तहसील नवां शहर। (श्रन्तरक)
- श्री जगदेव दत्त, सोम नाथ, मदन लाल, ग्रगवनो कुमार मेहर चन्द पुतान मंगत राम गांव बंगा महल्ला गज्जरां मकान नं० 1705/एम० एस०, एस० एफ० बंगा

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उसत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बंगा में 19 मरले 7 सरसाई 6 वर्ग 'हुट तौड़ एरिया जैसा कि विलेख नं० 4056 जनवरी 1978 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकः प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भटिंडा ।

तारीख: 28-8-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के धधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज भटिंडा भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० पी० 338/एम०जी०ए०/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास हरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बाधा पुराना में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मोगा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक् नसम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वृश्यमान प्रतिक न के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्नविक रूप से कथि। नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण न हुई किसी यार को बाबन, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिम्हें भारतीय भाष-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात:—— 26701/78  श्रीमती भगवान कौर पश्नी नरैन सिंह पुत्र राम सिंह गांव बाघा पुराना तहसील मोगा।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती पंजाब कौर पत्नी उग्गर सिंह पुत्र नरैन सिंह गांत्र बाघा पुराना।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे स्वी रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के शब्याय 20क में परिभा-षित हैं, वही धर्य होगा जो उस भग्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बाघा पुराना गांव में 44 कनाल 14 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 6258 जनवरी 1978 रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ) ग्रर्जन रेंज भटिंडा

तारीख: 28-8-1978

# प्रकप भाई• टी• एन॰ एस•--

शायकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कपूरपला

कपूरधला, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निर्देण सं० ए०पी० 337/के०पी०श्रार०/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

भागकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं॰ जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरचला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरचला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृष्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिशत श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश में कन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उकत श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उम्त भ्रधिनियम को धारा 269 ग के धनुसरण में, मैं, उम्त भ्रधिनियम की भारा 269 भ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, भ्रभीतु:----  सर्वश्री हर भजन सिह, उधम गिह, दिविन्द्र सिह मृपुन्न श्री सुन्दर सिंह, कपूरथला।

(ग्रन्तरक)

2 सर्वश्री भ्रवतार सिंह, चरण सिंह सपुत श्री ईप्तर सिंह, गांव भगतपुर (क्पूरथला)

(श्रन्तरिती)

- 3 जैसा कि नं0 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे मे प्रधोहस्तक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कपूरणला में 45 कनाल 2 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2680 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरणला में लिखा है।

पी०एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कपूरथला

तारीख: 28-8-1978

रुपए से अधिक है

प्ररूप भाई०टी०एन०एम०----

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, क्यूरथला

कपूरथला, दिनांक 28 भ्रगस्त 1978 निर्देशस० ए० पी० 338/एच० एस० भ्रार०/78-79---

यत: मुझे, पी० एन० मिलक भागकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिवीन सक्षम श्रिविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा ओ नानोवाल बेट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बलाचौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) और धन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनारम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गथा है:——

- (क) घन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के द्रायित्य में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (त्र) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम. 1922 (1922 वा 11) या उक्त भ्रधिनियम, ग्रा धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---  श्री देस राज सुपुत्र श्री बदाम चन्द्र गांव नानोवाल बेट, तहसील बलाचौर।

(अन्तरक)

2 सर्वश्री पाला सिंह, कलदीय सिंह ग्रीर दर्शन सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह गांव खानोरी तहसीज सुनाम।

(अम्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में दितबद है)

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भो शाक्षीप :---

- (क) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना क राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम, के श्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अष्टयाय में दिया गया है।

### अनुमुची

नानोबाल बेट गांथ में 134 कनाल 17 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1536 जनवरी 1978 रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी बलाचीर में लिखा हैं।

> पीं० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भपूरवता

तारीख 28-8-1978 मोहर . प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निर्देण सं० ए० पी० 339/एम०जी०ए०/78-79---यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो लंडे में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में भुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितियम, या घन-कर भ्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के ब्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के श्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—  श्री बिचत्तर सिंह पुत्र श्री श्रर्जन मिंह गांव लंडे तहसील मोगा।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी हरनेक सिंह ग्रौर सर्वजीत सिंह, कंवल जीत सिंह पुत्रान हरनेक सिंह गांव लंडे (मोगा)।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में द्वितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त जब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

लंडा गांव में 43 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि विलेख नं० 6398 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-8-1978

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० पी० 340/एम०जी०ए०/78-79——यतः मुझे, पी० एन० मिलक, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करा का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मून्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो ढला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्र का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भाधांनयम, के भ्रधीन कर दने क भन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी बन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरों। द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---  श्री संतोख मिह पुत्र भाना सिंह पुत्र वजीर मिह गाव भागीपुरा।

(ग्रन्तरक)

 श्री तिजन्द्र मिंह पुत्र करतार मिंह पुत्र कृपाल सिंह गांव ढला तह्सील मोगा।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (बह्र व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे स्रधोहस्ताक्षरी
जामता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
  के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त प्रार्जानयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

ढला गांव में 27 कनाल 9 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 6366 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-8-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० पी० 341/बीटीग्राई/78-79---यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० मे प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रमुंसूची में लिखा है तथा जो राम-पुरा फुल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फुल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के थुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत् प्रतिशत से धिक है धौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धम्नरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है।——

- (क) भन्तरण से हुई कियी भाय की बाबत. उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः भ्रव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ए के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त धिधिनयम' की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्यात :—  श्रीमती इणरो देवी पत्नी मेला राम पुत्र सुरिया मल वासी मंडी फुल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बलकार सिंह पुत्र सरदारा सिंह पुत्र फुमन सिंह गांव महना तहसील भटिंडा।

(श्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 में है। .
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरी)
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रयिध, जो भी श्रविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा कि भिन्नी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस मध्याय में दिमा गया है।

#### श्रनुसूची

रामपुरा फुल गांव में 38 कनाल 3 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2971 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फुल में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-8-1978

प्रकृष भाई० टी० एन० एग०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० पी० 342/ए०बी०एच०/78-79--यतः मुझे, पी० एन० मलिक भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से मुस्य ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची मे लिखा है तथा जो मोजिआ ढावाँकोकरिग्रां में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है स्रौर अन्तरक (भन्तरकों) मौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के भ्रष्टीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भवः, उस्त प्रधिनियम कौ धारा 269-ग के प्रनृ-सरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 श्रीमती कौशत्य। देवी विधवा
  - (2) मरोज कुमारी पुत्नी हंस राज पुत्न चन्दा राम वासी गली नं० 10 मडी भ्रबोहर द्वारा गोपाल कृष्ण मुक्त्यारे भ्राम।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती राम प्यारी पत्नी सुरजा राम
- (2) जानी देवी पत्नी शंकर लाल पुत्र बोधा राम।
- (3) भूपी देवी पत्नी फूसा राम पुत्र बोधा राम वासी सरदार पुर तहसील फाजिल्का।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के यम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आप से 45 विम की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घिन नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

मोजिम्रा ढावां ककरिम्रा गांव में 71 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि विलेख सं० 2330 जनवरी, 1978 रजिस्ट्री-कर्ता म्रधिकारी म्रबोहर में लिखा है।

> पी०एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीखा: 28-8-78

### प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०---

# भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269घ(1) के प्रधीत सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याक्य, सहायक आयक्तर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

सं० ए० पी० 343/ए०की०एच०/78-79—यतः मुझे,पी० एन० मलिक

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सैम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु∙ से भ्रधिक टै

ग्रौर जिसकी सं० जैमा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो पंजाबा माडल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

(1908 का 16) के अधान, ताराख जनवरा, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर घन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (घन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिथे तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक छप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उकत अर्धि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनिश्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिये।

प्रतः प्रव, उस्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में में, उस्त प्रधिनियम की घारा 269-च की अपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्।---

(1) श्रीमती चांदी पुत्नी पारी वागी गाव चक 29 बी तहसील पदमपुर, जिला गंगानगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चनन सिंह, बोगा सिंह पुतान किणन सिंह वासी पंजाबा मांडल।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पति है),
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-~

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, गी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्यय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पंजाबा मोडल गांव में 125 कताल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2163 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी भ्रवोहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

**सारीख: 28-8-1978** 

प्ररूप आई• टी• एन• एस०---

**बायकर प्रधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-घ** (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भटिङा भटिङा, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

सं० ए०पी० 344/एन०डङस्यू०एस०/78-79--श्रतः मुझे, पी० एन० मलिकः

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो सोभाता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण कि लिखित में वास्तविक रूप मे कियत नहीं किया गया है ——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भिक्षित्यम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिभित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधित्यम, या धन-कर भिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ भन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, फिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उनत मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में मैं, उनत मधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात्:——
10—266 GI/78

(1) श्री खजन सिंह, सुपुत्र श्री मेवा मिंह, गांव सोग्राता तहसील नवांशहर।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार सुपुत्र श्री जगन्नाथ सुपुत्र श्री बिशना राम गांव एवं डा० बंगा तहसील : नवां-शहर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैमा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) वह व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उपत प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सोश्राता गांव में 29 कनाल 1 मरले जैसा कि विलेख नं० 3812, जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नवां-शहर में लिखा है।

> पी०एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

ता**रीख** : 2**7-7-**1978

प्ररूप भाई०टी०एत०एस०-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त, 1978

सं ० ए०पी० 345/एन० डब्स्यू ० एस० / 78-79--- ग्रतः मुझे, पी० एन० मलिक आयकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय नवाशहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घधिक है घौर अन्तरक ·(ग्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

उद्देश्य से उक्त भन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(श्वा) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अन. भव, उक्त प्रश्विनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-मं की उपघारा (1) के पधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

(1) श्रीमती जोगिन्द्र कौर पत्नी श्री ग्रमरीक सिंह, गांव व डा० राहों, तहसील नवांशहर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह संपुत्र श्री बखागीश सिंह, गांव व डा० राहों, तहसील नवांगहर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके मधिमोग में सम्पति है)
- (4) वह व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्तक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

्को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस बुबना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाबर सम्पत्ति में हितयद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

राहों गांव में 27 कताल 13 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3989, जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी नवांशहर में लिखा है। `

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायकन (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-8-1978.

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भटिंखा

भटिंडा, दिनांक 28 श्रगस्त, 1978

सं० ए०पी० 346/एस०पी० सी०/78-79—श्रतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनयम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सबूवाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर लोधी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रतिफल के लिये, प्रस्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उमत्त श्रम्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये भीर/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922का 11), या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजन वं भन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए बा, खियाने में सुविधा के सिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपचारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवातः :--- (1) सर्वश्री सेवा सिंह, सूरत सिंह, मेवा सिंह, सपुन्न श्री बाली सिंह, गांव सबूबाल तहसील सुलतान-पुर, लोधी।

(मन्तरक)

(2) सर्वश्री बचन सिंह, किशन सिंह, सपुत्र श्री सुन्दर सिंह, गांव कोलिया वाला, तह० सुलतानपुर, लोधी, (कपूरथला)।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि श्रनुसूची नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) वह व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भावधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरथ : --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त भिवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, थो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सबूबाल गांव में 37 भनाल 2 मरले जमीन जैसा भि विलेख नं० 1559, जनवरी, 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी सुलतानपुर लोधी में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-8-1978.

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।---

आयकर प्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के प्रधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 श्रगस्त, 1978

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जड़ियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवांशहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः मब, उन्त ग्रिविनयमं की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिविनयमं की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिवीन; निम्निविज्ञित व्यक्तियों अर्थात् ।--- (1) श्री चरण दास, सपुत्र श्री सुन्दर दास, गांव : दियाला, तहसील : गढशंकर, निवास : जड़ि-याला, तहसील नवांशहर।

(म्रन्तरक)

(2) श्री निहाल चन्द, मधेला राम सपुत्र श्री तेहला राम, गांव एवं डाक्का : जड़ियाला, तहसील : नवांशहर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे नें प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूनना जारो कर हे पूर्वीकन समानि के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हिसबद्ध
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पडहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रश्याय में विया गया है।

#### अमुसूची

जड़ियाला गाव में 28 कनाल 13 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3877, जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी नवांशहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भटिङा

तारीख: 28-8-1978.

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 श्रगस्त, 1978

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के श्रिष्ठीन सक्षम श्रिष्ठिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से शिष्ठक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो महादीपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दसुग्रा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिषक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधिनियम के भ्राप्तीन कर देने के भ्रम्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए,

धतः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निसित व्यक्तियों, प्रधीत्:— (1) श्री प्रीतम सिंह पुत्र ठाकुर सिंह, गांव महादीपुर, तहसील दसुग्रा, जिला होशियारपुर।

(म्रन्तरक)

(2) श्री रतन सिंह, पुत्र उजागर सिंह, गांव नरैन गढ़, तहसील दसुग्रा, जिला होशियारपुर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रुबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्वित्त के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रिष्ठित्यम के शब्दाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं शर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

महादीपुर गांव में 45 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 3622, जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी दसुग्रा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा,

तारीख : 28-8-1978

प्रह⁻ म्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ण (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

सं० ए० पी० 349/एच० एस० घार०/78—79—— प्रतः मुझे, पी० एन० मलिक

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिधिनयम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो महादीपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दसुग्रा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्प्रतिशत से शिक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से दूई किसी जाय की वावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी मार्य या किसी धन या प्रन्र आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

अतः सन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमों, अर्थातः—

(1) श्री प्रीतम सिंह, पुत्र ठाकुर सिंह, गांव महादीपुर तहसील दसुग्रा, जिला होशियारसुर।

(म्रन्तरक)

(2) श्री रतन सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी नरैन गढ़, तहसील दसुश्रा।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिनके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचता नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों मोर पर्वो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनसूची

महादीपुर गांव में 45 कनाल 6 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3621, जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी दसुश्रा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा,

सारीख: 28-8-1978

प्ररूप भाई० टी • एन० एस • ----

म्नाय तर म्नधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रवीत सूचना भारत सरकार

कार्यातः, सहारतं प्रायंतरं श्रायुक्तं (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा,

भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

सं  $\sqrt{A.P}$ . 350/NWS/78-79--प्रतः मुझे पी० एन० मिलक

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-घ के अधीत सक्षत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मुसेपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1978 को

16) क अधान ताराख जनवरा, 1978 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1 श्री राम प्रकाश पुत्र दया राम, महल्ला लालीयां, नवां शहर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री/श्रीमती भुपिन्द्र कौर पत्नी हरबंस सिंह द्वारा हरबंस सिंह पुत्र घीथा सिंह मुसेपुर रोड नवां शहर (श्रन्तरिती)
- श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में हैं।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिभिधोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
  ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति धारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के भ्रष्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

भुसेपुर में 33 कनाल 18 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं॰ 3977 जनवरी, 1977 रजिस्ट्रीकंर्ता ग्रधिकारी नवाँ शहर में लिखा है।

> पी०एन० मलिक सक्षम अधिकारी सहायक श्राय कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ६ हिस

दि ः सं : 28-8-1978

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

भारतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज भटिंडा,

भटिंडा, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

सं० A.P. 351/ABH/78-79—श्रतः मुझे पी० एन० मलिक

धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ध्रिधिनियम' कहा नया है), की बारा 269-ख के ध्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- द॰ से ध्रिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो तुतवाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंछा प्रतिफल का पंछा प्रतिक्रत मिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नणिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त स्वधिक नियम के मधीन कर देने के सम्बद्धक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य भ्रास्तियों को जिन्हों, भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उमत भ्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिये;

मतः पय, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, प्रयोत:---- (1) कुमारी प्रको बाई पुत्नी हाकम सिंह पुत्र नन्द सिंह, बासी तुतवाला, तहसील फजिल्का।

(म्रन्तरक)

(2) श्री कुलविन्द्र सिंह पुत्र मोहन मिह पुत्र विचत्तर सिंह, वासी तुतवाला तहसील फाजिल्का (वासी गंगानगर भी)।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिन के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी क्यों क्यों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यें क्यि के सिक्सी क्यं कित द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितब ख किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताकारी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उनत श्राधिनियम के श्रष्टवाम 20-क में परिभावित है, वही शर्च होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

तुतवाला गांव में 114 कनाल भ्रौर 14 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2388, जनवरी 1978 रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी भ्रबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक सक्षम प्रान्निकारी स**हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** स्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 28-8-1978

#### प्ररूप भाई • टी • एन • एस • —

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के आसीत सनना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 ध्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० पी० 352/एन०डब्ल्यू०एस/78-79—यतः मुझे पीं० एन० मलिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सोइता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवाँ शहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तावक का से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसो आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिश्वा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रज, उक्त ग्रिशिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिशिनियम की धारा 269-घ की अपग्रारा (1) के ग्रशीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---11—266GI/78 1. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र जगन नाथ गांव बंगौं तहसील नयां शहर (जलन्धर)।

(अन्तरक)

 श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी प्यारा सिंह गांव सोइता तहसील नवां शहर।

(भ्रन्तरक)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उत्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, घघोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुसरी

सोइता गांव में 29 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि विलेख नं 3975 जनवरी 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 28-8-78

मोहरः

प्रकप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मटिश्रा

भटिन्डा, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० पी० 353/के०पी०श्रार०/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है सथा जो खासा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भुलत्य में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (धन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिशित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधित्यम या धन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---  श्री कपुर सिंह पुत्र गर्म सिंह पुत्र निधान सिंह वासी खासा गांव जिला (कपूरथला)।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महिन्द्र सिंह, हरभजन सिंह पुत्रान कृपाल सिंह माडल टाउन तलवाडा श्रीर करतार सिंह पुत्र मुल्ला सिंह, बसंत कीर पत्नी करतार सिंह वासी नजामपुर (कपूरथला)।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्तिी सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह पूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना क राजात प्रकार न कालागा जै 45 दिन की प्रविधि पात-सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की लामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितब क्र किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी क पान निखित में किया जा पकींगे।

स्वष्टीकरण —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खासां गांव में 63 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1774 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मुल्स्य में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-8-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० पी० 354/एच एस०न्नार०/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटली खुद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दसुमा में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रति॰ फल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) घोर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वासाविक हुए से क्थित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रश्नीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भवः त्रकत अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात्:—

- श्रीमती दकबाल कौर पुत्री ईशार कौर गांव कोटली खुई तहसील दसुग्रा जिला हुशियार पुर। (श्रन्तरक)
- श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्रमर सिंह गांव कोटली खुर्द तहसील दसुमा (हुशियारपुर)।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुजना जारी करक पूर्वीका सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रज़िंग के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गर्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं मर्य होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

कोटली खुर्द गांव में 39 कनाल और 19 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 3457 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी दसुआ में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-8-1978

प्रकप धाई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 भ्रगस्त 1978

निर्धेश सं० ए०पी० 355/के०पी० श्रार०/78-79—यतः मुझे मुझे, पी० एन० मलिक

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जलाल भुलाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अक्सरित की गई है प्रौर मृस यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है: —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अक्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या दल अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री गुरमुख सिंह पुत्र प्यारा सिंह पुत्र जवन्द सिंह गांव जलाल भुलाना तहसील क्यूरथला।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री बलबीर सिंह, शमशेर सिंह, दतार सिंह, दलजीत सिंह पुत्रान जोगिन्द्र सिंह गांव जलाल भुलाना तहसील कपूरथला। (धन्तरिती)
- 3. श्री /श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि
  रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जा**री** करके पूर्वोका सम्पति के **अजंन के** लिए कार्म**बाह्यि**मं करता हूं!

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया

#### अनुसूची

जलाल भुलाना गांव में 39 कताल 19 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2832, जनवरी 1978, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

पी० एन० मलिक सज्जम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-8-1978

प्रारूप भाई॰ टी॰ एन० एस०----

आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के प्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-III, कानपुर

कानपूर, दिनांक 10 अगस्त 1978

निर्देश सं० 1624 ए०/म्रर्जन/बुक्ताना/77-78--म्ब्रतः मुझे एल० एन० गुप्ता

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-चा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए॰ से प्रिधिक है,

श्रोर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है। (श्रीर इंग्से उपाबह श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बुद्धाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अवीन तारीख 14-12-1977
को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तकि कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राप की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर दे। के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त प्रधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती अरा प्रकट नहीं किया गभा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

धतः अब उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सर्क में, मैं उक्त पिंधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निलिखत क्यक्तियों प्रधीत :——

- श्री त्रांशाराम पुत्र धूला निवासी सबकहीन नगर परगना झिशारपुर त० बुढाना जिला मुजक्फरनगर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री वाक सिंह, हरपाल सिंह, देशपाल सिंह, हरवीर सिंह एवं मुंशोराम पि० सदय्दीन मगरू परगना शिकारपुर, त० बुढाना, जिला मु० नगर। (ग्रन्तरिनी)

को यह जुकना जारी करके पूर्वास्त नंपिता के भनंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजंग के संबंध में कोई भी भाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तस्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजश्य में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखिन में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वडी अर्थ होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### घनुसूची

ग्रचल संपत्ति कृषि भूमि 9 बीधा 2 बिस्वा एवं 18 बिस्वांसी स्थित ग्राम सद्दरहीन नगर, परगना शिकारपुर, जिला मु॰ नगर 87,000/- के विश्वय मूल्य में बेची गई।

> एल० एन० गुप्ता सक्षम श्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कान**पु**र

सारीख: 10-8-1978

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.)

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 1st September 1978

F. No. N-2/73-Ad.V.—On his repatriation from the Shah Commission of Inquiry, Shri N. C. Verma, Dy. Supdt. of Police, C.B.I./S.P.E. joined C.B.I. in the same capacity on the Forenoon of 17-8-78.

RIPDAMAN SINGH, Administrative Officer (A), C.B.I.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 7th September 1978

No. O.II-970/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Krishnamoorthy Mohan, Dy. S.P., 34 Bn., CRPF with effect from 10-8-78 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm.)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 11th September 1978

No. 10/15/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. Subramania Swamy, an officer belonging to the select list for Grade II of I.S.S., as Assistant Registrar General (Vital Statistics) in the office of the Registrar General, India with effect for the forenoon of 26th July, 1978, until further orders.

Shri Swamy relinquished the charge of the office of the Senior Research Officer held by him in the same office with effect from the same date.

> P. PADMANABHA, Registrar General

# MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

#### INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 5th September 1978

No. 898/A.—In continuation of Notification No. 1889/A dated 10/11/2/1976, on the recommendations of the D.P.C. (for Group B), the appointment of Shri Y. R. Vaidya, as Stamp Supply Officer has been treated as regular with effect from 12-7-1978.

D. C. MUKHERJEA, General Manager

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I.

#### WEST BENGAL

Calcutta-I, the 31st August 1978

No. Admn.I/1038-XV/233.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the date as mentioned against each or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in the Office of the Accountant General, Central until further orders.

#### S/Shri

- 1. Ranjit Kumar Bose-with effect from 31-8-78 (AN).
- Broja Gopal Sen Sarma—with effect from 31-8-78
   (AN).

The inter-se-seniority of the Accounts Officers will be indicated in due course.

P. K. BANDYOPADHYAY, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

#### DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 11th September 1978

No. 2889/A-Admn/130/75-78.—The following officers of the Audit Department. Defence Services, retired from service on the date shown against each:

Sl. No.	Name and designation			re	Date of retirement	
	/Shri D. Limaye Sub. A.O.		-			31-7-78 (A.N.)
2. A.	, Venkatasubramanian Sub. A. O.		•			31-7-78 (A.N.)

K.B. DAS BHOWMIK, Sr. Dy. Director of Audit Defence Services

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

### OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Dehli-110022, the 6th September 1978

No. 18122/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Jagannath Kaul, I.D.A.S. (on deputation as Officiating Deputy Secretary in the Ministry of Agriculture & Irrigation), was transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Defence Accounts Department on the after noon of 31st July, 1978.

No. 18240/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri M. G. Agarwal, Deputy Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and accordingly struck oil the strength of the Defence Accounts Department with effect from 28-2-1979 (Afternoon).

V. S. BHIR, Addl. Controller General of Defence Accounts

### MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 2nd September 1978

## IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/414/56-Admn(G)/6248.—The President is pleased to appoint Miss S. D. Marathe, Deputy Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Ahmedabad with effect from 11th August, 1978 forenoon, until further orders.

#### The 6th September 1978

No. 6/407/56-Admn(G)/6238.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Saha, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, to officiate as Joint

Chief Controller of Imports and Exports, Kanpur with effect from the afternoon of 10th July, 1978, until further orders.

#### K. V. SESHADRI.

Chief Controller of Imports and Exports.

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A--1)

New Delhi-1, the 7th September 1978

No. A-1/1(860).—Shri G. D. Rao, Assistant Director (Admn) (Grade II)) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

#### SURYA PRAKASH,

Deputy Director (Administration), for Director General of Supplies and Disposals.

#### (ADMN. SECTION A--6)

New Delhi, the 6th September 1978

No. A-6/247(458)/63.—On reversion from the post of Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service) (Group 'A') Shri G Balakrishnan, relinquished charge of the post in the Directorate General of Supplies & Disposals, (Inspection Wing) New Delhi on the afternoon of 29th July, 1978 and assumed charge of the post of Dy. Director of Inspection (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') in the office of Director of Inspection, Madras on the forenoon of 14th August, 1978.

SURYA PRAKASH, Dy. Director (Admn.).

# MINISTRY OF STEFL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd September 1978

No. A 19011(31)/76-Estt. A—The President is pleased to appoint Shri A. S. Gopalachari, Superintending Mineral Economist, Indian Bureau of Mines as Chief Mineral Economist in this department on ad hoc basis w.e.f. the afternoon of 2nd August, 1978 until further orders.

No. A.19011(35)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Dr. J. O. K. Murthy, Pmt. Metallurgist, Indian Bureau of Mines as Superintending Metallurgist in this Department on ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 2nd August, 1978 until further orders.

No. A.19011(163)/76-Estt A.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Pande, Pmt. Chemist, Indian Bureau of Mines as Senior Chemist in this Department on ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 2nd August, 1978, until further orders.

S. BALAGOPAL,
Head of Office,
Indian Bureau of Mines.

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 7th September 1978

No. F.70-2/74-Fstt./15780.—On the recommendation of the D.P.C., Shri Subhendu Sekhar Saha, Senior Zoological Assistant, in the Zoological Survey of India, Calcutta, is appointed to officiate as Assistant Zoologist in the same Department with effect from 28th August, 1978 (Forenoon), on regular basis, in the scale of Rs. 650—1200, until further orders.

#### Dr. T. N. ANANTHAKRISHNAN,

Director,

Zoological Survey of India.

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th September 1978

No. 6(13)/61-SI.—Shri C. D. Verma, Programme Executive, All India Radio, Lucknow expired on the 17th August, 1978.

A. K. BOSE,

Deputy Director of Administration, tor Director General.

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 4th September 1978

No. A.31014/3/78-Est.—The Directorate of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri B. S. Bhadurla in a substantive capacity in the post of Hindi Officer (Advertising) in this Directorate with effect from 28th August, 1978.

R. DEVASAR.

Deputy Director (Admn.), for Director of Advertising & Visual Publicity.

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti, the 6th September 1978

No. RAPP/Rectt./3(2) 78/S/138.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint the following non-gazetted Technical Staff presently serving in the Rajasthan Atomic Power Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a tempoary capacity with effect from the dates shown against each until further orders:

Sl. No	Name and Designation	Post to which appointed	Date on which assumed charge
1	2	3	4
1.	Shri Laxmi Chand Choudhary, Draughts man 'C'	Scientific Officer/ Engineer Grade SB.	1-2-1978
2.	Shri Surat Singh, Foreman	Do.	6-2-1978
3.	Shri Rakesh Chand Dindoliwal, Scienti- fic Assistant 'C'	Do.	1-2-1978
•	Shri Hari Kishan Motwani, Scientific Assistant 'C'	Do.	1-2-1978
5.	Shri Raghunath Bhardwaj, Scientific Assistant 'C'	Do.	1-2-1978
6.	Shri Sawaminathan Nagarajan, Scientific Assistant 'C'	Do.	1-2 1978

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chlef Project Engineer

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th September 1978

No. A.32013/14/77-EC.—The President is pleased to appoint the following officers who were officiating as Deputy

Director/Controller of Communication on an ad hoc basis on regular basis in the post of Deputy Director/Controller of Communication in the Civil Aviation Department with effect from 13th July 1978 in an officiating capacity and until further orders.

- 1. Shri M. S. Krishnan.
- 2. Shri Kishu Tekchandani.
- 3. Shri S. K. Das.
- 4. Shrl A. N. Nath.
- 5, Shri V. K. Kalra.
- 6. Shri B. S. Grewal.
- 7. Shri S. C. Goswami.

Their existing places of posting will remain unchanged.

H. L. KOHLI,
Director of Administration.
for Director General of Civil Aviation.

# DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 4th September 1978

No. 14/78.—Smt. Sunipa Basu, lately posted as Asstt. Collector of Customs, Calcutta Custom House, on transfer to the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise vide Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) order No. 61/78 (F. No. A 22012/13/78) dated 25-4-78 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise), Group 'A', in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at New Delhi on 24-8-78 (F.N.).

M. V. N. RAO, Director of Inspection.

## DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 4th September, 1978

No. 33/1/78-Ec IX.—The President is pleased to appoint the undermentioned nominces of the U. P. S. C. against the temporary posts of Dy. Architects (G. C. S. Group A) in the CPWD, on the pay of Rs. 700/- P. M. in the scale of Rs. 700-40-900-EB 40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from the dates indicated against each on the usual terms and conditions.

Name and Designation		
<u>,,</u>		(2)
•	•	12-7-1978 (F.N.)
		15-7-78 (F.N.)

They are placed on probation for a period of two years with effect from the dates of their joining in this Department.

> KRISHNA KANT Dy. Director Administration

#### DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 16th September 1978

No. A-20013/12/78-Admn.'B'.—Shri R. N. Misra, Assistant Legal Adviser (Grade IV of the Central Legal Service) of the Ministry of Law (Department of Legal Affairs) who was concurrently holding the post of Deputy Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates vacated the said post in the Directorate of Estates in the forenoon of the 12th September, 1978.

2. Shri R. P. Agarwal, Assistant Legal Adviser (Grade IV of the Central Legal Service) is appointed concurrently as Deputy Director of Estates in the Directorate of Estates, Ministry of Works and Housing with effect from the forenoon of the 12th September, 1978.

G. RAMACHANDRAN, Dy. Director of Estates (Admn. & Policy)

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Utkal Paints and Allied Products Private Limited.

Cuttack, the 5th September 1978

No. S.O./551-2045.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Utkal Paints and Allied Products Private Limited has this day been struck off the Register and said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Feodal Private Limited

Cuttack, the 5th September 1978

No. S.O./514-2046.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Feodal Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL, Registrar of Companies,

Orissa.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sangam Stoneware Pipes Private Limited

Madras-600 006, the 11th September 1978

No. 6674/560(5)78.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956, that the name of Sangam Stoneware Pipes Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

Sd/ Illegible Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras. ----

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th September 1978

Ref. No. A.P. No. 1820.—Whereas, I, B S. DEHIYA being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Market No. 98, N. K. Bz, Nauhrian, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:——12—266GI/78

(1) Smt. Surakshsha Rani W/o Shri Tarloki Nath Dhir, Sultanpur Road, Kapurthala.

(Transferor)

(2) M/s. Harbhajan Singh & Sons, Tent House Bazar, Nauhrian, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Market No. 98 N. K. Bazar Nauhrian Jullundur as mentioned in the registration sale deed No. 5966 dated 4-1-1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th September 1978

Ref. No. A.P. No. 1821.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Kothi No. 155-R, Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Jullundur on Jan. 1978

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Smt. Joginder Kaur W/o S. Jagjit Singh, 250-L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

 Smt. Balwant Kaur W/o Lal Singh 155-R, Model Town, Jullundur,

(Transferee)

- (3) As per Sl. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share of Kothi No. 155-R Model Town, Jullundur as mentioned in the registeration sale deed No. 6237 of January 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

Jullundur, the 11th September 1978

Ref. No. A.P. No. 1822.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE

situated at Muradpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Amarjit Singh s/o Balwant Singh, 697, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh s/o Shri Narain Singh, Village Dhamian Kalan Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 38 Kanal at Murad Pur as mentioned in the Registration sale deed No. 6262 of January, 1978 of the registering authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-9-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundut, the 11th September 1978

Ref. No. A.P. No. 1823.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Basti Pir Dad Khan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followed persons, namely:—

(1) Shri Nand Kishore s/o Shri Rulia Ram, R/o Vidya Bhawan, Mitha Bazar, Jullundur

(Transferor)

(2) M/s. National Rubber and Chemical Industries, Basti Bawakhel, 144021, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sl. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory at Basti Pir Dad Khan Near B/Bawakhel Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 6304 of Jan., 1978 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-9-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, **JULLUNDUR**

Jullundar, the 11th September 1978

Ref. No. A.P. No. 1824.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated of Basti Pir Dad Khan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Nand Kishore s/o Shri Rulia Ram, R/o Vidya Bhawan, Mitha Bazar, Inllundur

(Transferor)

(2) M/s. National Rubber and Chemical Industries, Basti Bawakhel, 144021, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory at Basti Pir Dad Khan Near B/Bawakhel Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7321 of March, 1978 of the registering authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th September 1978

Ref. No. A.P. No. 1825.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

#### (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE

situated at New Market Opp. P&T Colony, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Thakur Mohan Lal and Smt. Taro, Street No. 2 Central Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Fateh Singh s/o Chattar Singh, G-54 P&T Colony, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

8 Marla Land in New Market Opp. P & T Colony, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 6524 of January, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th September 1978

Ref. No. A.P. No. 1826.—Whereas, J. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nasib Kaur w/o S. Dilbagh Singh R/o V. Chogitte Teh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Kumari Jain w/o Shri Raj Pal Jain. 76/77 Vijay Nagar, Jullundur.

(Transferec)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 65 orea 1 K 1 M 153 Sft. Shaheed Udham Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7247 of 2/78 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1978

Ref. No. RAC. No. 129/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 6 in 1-11-251/5 situated at Begumpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Vishnu Wadhumal Shahani, R/o Next to Kala Bhavan, Opposite to I.G.P. Office, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Dara A, Ranji,
 H. No. Flat No. 6 of 1-11-251/5 at Begumpet,
 Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1st floor Flat No. 6 in the Building H. No. 1-11-251/5 situated at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 2176/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ronge, Hyderabad.

Date: 16-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### Sri Vishnu Wadhumal Shahani, R/o Next to Kala Bhavan, Opposite to I.G.P. Office, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Chikle Komalavalli Reginald W/o Joseph Stanely Reginald, H. No. 6/13 at Brodipet, Guntur-2.

(Transferec)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1978

Ref. No. RAC. No. 130/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 3 in 1-11-2151/5 situated at Begumpet,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on 6th December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

13—266GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground floor flat No. 3 in the Building M. No. 1-11-251/5 situated at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 2081/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Ronge, Hyderabad.

Dated: 16-8-1978

(1) M/s. Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amtul Fatima,H. No. 12-2-458/16 at Mchdipatnam,Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1978

Ref. No. RAC. No. 131/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 67 in situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inocome-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 67 on the ground floor of Chandralok Complex, situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2134/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ronge, Hyderabad.

Date: 16-8-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1978

Ref. No. RAC. No. 132/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 47 in situated at Chandralok Complex, Secundrabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on December, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

Smt. Amatul Fatima,
 H. No. 12-2-458/16 at Mehdipatnam,
 Hyderabad.

(Transferce)

(3) Officer-in-Charge, of Bharat Heavy Electricals Ltd., at Shop No. 47 in Chandralok Complex, Secunderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 47 in the Chandralok Complex, situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2131/77 with the Sub-Registrar, Secundrabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ronge, Hyderabad.

Date: 16-8-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1978

Ref. No. RAC. No. 133/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4-2-4 situated at R.P. Road, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on December-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Sri Linga Shekariah,
 2. L. Nagender,
 3. Smt. Linga Parvathamma,
 All residing at H. No. 5038 at Second Bazar,
 Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sarada Devi w/o Sri Rajender Prasad, H. No. 10-1-611/8 at West Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

(3) Kunchal Binny Textile, Prop. Rajender Pershad, 4-2-4 at R.P. Road, Secunderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing M. No. 4-2-4 at R.P. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2045/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ronge, Hyderabad.

Date: 16-8-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1978

Ref. No. R.A.C. 134/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5-8-553 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Shri Shiv Saran Das.
 S/o Gurudatta Mall,
 H. No. 3-5-378, Narayanaguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

M/s. Kwality Bar & Cafe, 5-8-553, Abid Road, Hyderabad.
 Sri Vasudev Chatwal S/o late Sri Mohanlal Chatwal, Managing partner, M/s. Kwality Bar & Cafe 3. Sri Harischandra Chatwal S/o Vasudev Chatwal, 5-4-642, Kattalmandi, Hyderabad.

(Transferee)

(3) M/s. Kwality Bar & Cafe, 5-8-553, Abid Road, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mulgi bearing No. 5-8-553, admeasuring 139.7 sq. yds. situated at Abid Road, Hyderabad registered through document No. 3563/77 by the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(1)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalupur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.
- (2) Smt. Anto Devi W/o Moti Lal, R/o Bada Jogiwada, Upper Road, Haridwar Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 31 situated at Landhora House, Moti Bazar, Hatidwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 46,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(2)/S.Pur/77-78.—Whereas, I. L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULF situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lnl Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Shri Subhash Chand and Ashok Kumar Sons of Raj Kishore, R/o Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 12 & 12A situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 14,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

Scal;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(3)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Tch. Roorkee, Distt. Saharanpur.
- (2) Hamendra Kumar and Pramod Kumar, Sons of Bhagwat Prasad Gupta, R/o Moti Bazar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing. No. 18-D & 18-E situated at Landhora House, Moti Bazar, Harldwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 15,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF • INCOME-TAX ΛCT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(4)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

14-266GI/78

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh. Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhoia, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Tch. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(2) S/Shri Subhash Chand & Manoj Kumar, Sons of Bhagwat Prasad Gupta, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee,

Distt. Saharanpur,

(Transferees)

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 18 & 18A situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Tch. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 18,000/-.

> L. N. GUPTA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(5)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Shri Jauhri Lal Jain S/o Keshav Sharan Jain, R/o Shrawan Nath Nagar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 5 situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 17,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(6)/S,Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain, S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Shri Jauhari Lal Jain S/o Keshav Sharan Jain, R/o Sharwan Nath Nagar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Tch. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 5 situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Tch. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 17,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq./1650A7/S,Pur/77-78.—Whereas, 1, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sarswatı Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar. Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Rocrkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Smt. Saroj Rani Sharma W/o Ashwani Kumar Sharma, R/o Sharwan Nath Nagar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 2 situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg, Jwalapur, Tch. Roorkec, Distt. Sahatanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 17,500/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(8)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tarnsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Tch. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Smt. Urmila Devi W/o Hari Prasad, R/o Moti Bazar, Hardwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 9 situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg, Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 11,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650Λ(9)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Smt. Prem Lata Jain W/o Jaurhari Lal Jain, R/o Sharwan Nath Nagar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 3, 4, 5C, 15 & 16 situated at Landhora House, Moti Harldwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 15,800/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(10)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Natendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur,

(Transferors)

(2) Shri Gyan Chand Pansari S/o Lal Chand, R/o Shrawan Nath Nagar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pubication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. One situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,000/-.

I. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(11)/S.Pur/77-78.—Whereas, J. L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PFR SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sarswati Devi, widow Bulwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Rootkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Smt. Shanti Devi W/o Chandi Prasad, R/o Haveli Mahant Ghanshyamgir, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by nay other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 13 and 13A situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apprent consideration of Rs. 22000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(12)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——

15-266GI/78

 Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R|o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkec, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Smt. Bimla Devi W/o Ram Avtar Agarwal, R/o Chota Jogiwada, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Tch. Roorkec, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 6 situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 11,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650-A(13)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Smt. Ved Kumari W/o Ganga Prasad, R/o Nanakbara, Vishnu Ghat, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 11A situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg, Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,000/c.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 231d August 1978

Ref. No. Acq/1650A(14)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Saiswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendia Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Barfi Devi W/o Shiv Charan, R/o Moti Bazar. Haridwar, Parg, Jwalapui, Tch. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires la\*ar;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 7 and 7A situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Junlapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 12,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(15)/S.Pur/77-78.—Whereas, 1, L. N. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh, and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(2) Shri Aassaram S/o Tulsi Ram, R/o Sekhpura, Kankhal, & Smt. Mullo Devi widow Kameshwar Prasad, R/o Ramchandkan, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharahpur.

(Transferees)

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 22 situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(16)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Mangloie, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, paitner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) S/Shri Chandra Shekhar S/o Ram Nath, Smt. Sitadevi W/o Ram Nath and SMt. Shivarani W/o Chandra Shekhar, R/o Old Anaj Mandi, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 20 situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDÍA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(17)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Harldwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Harldwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Harishyam Khewari S/o Joti Prasad, Smt. Laxman Dei W/o Harishyam Khewari, Umesh Kumar and Rangnath S/o above. R/o Neelkhudana, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 21 situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq/1650A(18)/S.Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R[o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Renuka Devi W/o Chandra Mohan Tandon, R/o Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing 26 and 26A situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 17,500/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq./1650-Λ(19)/S. Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh,
Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh
Sons of Balwant Singh,
R/o Landhora, Parg. Manglore, and
M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar,
Through Ratan Lal Jain
S/o Girdhar Lal Jain, partner,
R/o Govindpur, Haridwar,
Par. Jwalapur, Teh. Roorkee,
Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Smt. Krishna Kumari W/o. Kishore Singh, R/o. Haveli Punch House, Har-Ki-pairi, Harldwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of active on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 10, situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 15,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, .
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23th August 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Acq./1650-A(20)/S. Pur/77-78.—Whereas, I, Ref. No. L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--16-266GI/78

Smt. Sarswati Devi. widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain R/o Gidhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor) (2) Smt. Krishna Devi W/o Ved Prakash, R/o. Landhora House, Motl Bazar, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee,

Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 25 and 25A, situated at Landhora House, Moti Bazar, Harldwar, Parg, Jwalapur, Teh. Roorkee, Dist. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 10,000/-.

> L. N. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq./1650-A(21)/S. Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haridwar on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, R/o Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferors)

(2) Smt. Saroj Kumari Jain W/o. Rajendra Kumar Jain, R/o Sharwan Nath Nagar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 3, situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transsferred for an apparent consideration of Rs. 12,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1978

Ref. No. Acq./1650- $\Lambda$ (22)/S. Pur/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nouce under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh, and Narendra Kumar Singh Sons of Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, and M/s. Swastic Company, Govindpur, Haridwar, Through Ratan Lal Jain S/o Girdhar Lal Jain, partner, R/o Govindpur, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Pt. Rameshwar Prasad S/o Jwala Prasad, R/o Bhalla Road, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 17 and 17A, situated at Landhora House, Moti Bazar, Haridwar, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 10,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 23-8-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1978

Ref. No. Acq/897/Firozabad/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on December 1977

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or othe assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri HARI SHANKER AND KEERTI RAM SONS OF KANHAI SINGH, R/O ARYA NAGAR, FIROZABAD DISTT. AGRA.

(Transferor)

(2) S/Shri NATHURAM ALIAS VIDYARAM S/O DHANIRAM VIRENDRA DEVI W/O NATHURAM, RAMESH CHAND (MAIOR) AND SURESH CHAND AND MAHESH CHAND (MINORS) S/O BALA PRASAD SELF AND GUARDIAN OF RAMESH CHAND S/O BALA PRASAD, R/O RAMGARH, MAIRA DIDAMAI, TEH. FIROZABAD, DISTT. AGRA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

IMMOVABLE PROPERTY CONSISTING OF AGRICULTURAL LAND SITUATED AT VILL. AASALPUR, TEH. FIROZABAD, Dist. AGRA TRANSFERRED FOR AN APPARENT CONSIDERATION OF RS. 86,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 28-8-1978

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1978

Ref. No. Acq/881/Hathras/77-78.—Whereas I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schdeule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hathras on December 1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or othe assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) S/Shri DORI SINGH S/O JIWARAM, R/O LADHAUTA, P.O. SASNI, PARG. & TEH. HATHRAS, ALIGARH.

(Transferor)

(2) SMT. SUHAGWATI W/O KOMAL SINGH R/O MANDLA, SMT. BITTO W/O KAINDRAPAL SINGH R/O MANDLA, P.O. GAUDA, TEH. KOL DISTT. ALIGARH.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

IMMOVABLE PROPERTY CONSISTING OF AGRICULTURAL LAND SITUATED AT VILL. LADHAUTA, TEH. HATHRAS DISTT. ALIGARH, TRANSFERRED FOR AN APPARENT CONSIDERATION OF RS. 45,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dated: 28-8-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1978

Ref. No. Acq./872/Sadabad/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SADABAD on 17-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or othe assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (Π of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri NARAIN S/O KEHARI R/O KOTHI, MAUZA VATHAR, TEH. SADABAD DISTT. MATHURA. (Tränsferor)

(2) S/Shri SURESH CHAND SO BASDEO, SADABAD & SMT. RAMEHSWARI DEVI W/O GANGA PRASAD, R/O HATHRAS, & SMT. KUSUM KUMARI W/O LACHMAN PRASAD, R/O VRINDAVAN, DISTT. MATHURA.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

IMMOVABLE PROPERTY CONSISTING OF AGRICULTURAL LAND SITUATED AT VILL. VATHAR, TEH. SADABAD, DISTRICT MATHURA, TRANSFERRED FOR AN APPARENT CONSIDERATION OF RS. 45,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1978

Ref. No. ACQ/899/Firozabad/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at FIROZABAD on DECEMBER 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri SMT. JANKI WINDOW NIHAL SINGH, R/O BARTARA, P.O. BARTARA, TEH. FIROZA-BAD, DISTT. AGRA.

(Transferor)

(2) SMT. NIRMALA DEVI W/O KRISHAN DUTT KATARA SMT. VIMLA DEVI W/O PRAYAG NARAIN KATARA, SURESH CHAND S/O KARAN SINGH KATARA AND AVADH NARAIN S/O RAM SINGH KATARA, R/O VARTARA, TEH, FIROZABAD, DISTT. AGRA.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

IMMOVABLE PROPERTY CONSISTING OF AGRICULTURAL LAND SITUATED AT VILL. VARTARA, TEH. FIROZABAD, DISTT. AGRA, TRANSFERRED FOR AN APPARENT CONSIDERATION OF RS. 30,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Pated: 28-8-1978

 Shri Sardar Lakhbirsingh S/o Shri Swaransingh, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramkishan Jain S/o Shri Phool Kishan, K-5, Fathe Tiba, Jaipur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th August 1978

Ref. No. Raj/IAS(Acq).—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

K-5 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at Fathe Tiba bearing No. K-5, Jaipur, and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Jaipur vide his letter No. 149 dated 30-1-1978.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acuisition Range, Japur.

Date: 14-8-1978

Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAJPUR

Jaipur, the 14th August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K-5, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sardar Samtasingh S/o Shri Ganesh Singh Jaipur.

(Transferor)

 Smt. Premlata Jajoo W/o Shri Ramkishan Jajoo K-5, Tiba, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Cahpter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at Fathe Tiba bearing No. K-5, Jaipur, and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R., Jaipur vide his letter No. 148 dated 30-1-78.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-8-1978

Seal;

17-266GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K-5, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sardar Lakhbirsingh S/o Shri Swaransingh and Daljit Singh S/o Shri Darshansingh, Jaipur.

  (Transferor)
- (2) Shri Jai Kishan Jajoo S/o Shri Ram Kishore Jajoo residents of K-5, Fathe Tibe, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

#### THE SCHEDULE

Property situated at Fathe Tiba bearing No. K-5, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R., Jaipur vide his letter No. 150 dated 30-1-78.

M. P. VASISHTHA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aculsition Range, Jaipui.

Date: 14-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Khandela House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 21-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kishori Kanwar W/o of late Sanoram singhji of Khandela House, Sansarchandra Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Bansal, A-27 Kantichander Road, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of first floor of Khandela House situated at Sansarchandra Road, Jaipur more fully described in the conveyance deed registered by S.R., Jaipur vide his letter No. 2492 dated 21-12-77.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acuisition Range, Jaipur.

Date: 14-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khandela House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 21-12-77

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kishore Kanwar W/o of late Sangram-Jaipur. (Transferor)
- (2) Smt. Tara Bansal w/o Shri S. K. Bansal, A-27 Kantichander Road, Banj Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of first floor of Khandela House situated at Sansarchandra Road, Jaipur more fully described in the conveyance deed registered by S.R., Jaipur vide his letter No. 2493 dated 21-12-1977.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acuisition Range, Jaipur.

Date: 14-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. Vasishtha.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. situated at Ghunu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 7-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Navrattan Goenka, 6 Alipur Park Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Satya Narain Khemka, 4 New Howeah Bridge Approach Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided half share in the property situated at Station Road, Churu Distt. Churu, Rajasthan and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Calcutta vide his No. 5589 dated 7-12-77.

M. P. VASISHTIIA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acuisition Range, Jaipur.

Date: 14-8-1978

(1) Shri Shiv Ratan Goenka, 6 Alipur Park Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Shyamsunder Khemka, 4 New Howrah Bridge Approach Road, Calcutta.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Churu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at Undivided half share in the Station Road, Churu Distt. Churu, Rajasthan and more fully described in the conveyance deed-registered by S.R., Calcutta vide his latter No. 5590 dated 7-12-1977.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jajpur.

Date: 14-8-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 324/NWS/78-79.—Whereas, I P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. per S. No. 2 above situated at Vill. Jandiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Nawan Shehar on January 1978, for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sarwan Ram s/o Shri Sunder Dass, Vill. Diala, Teh. Garh Shanker at present Vill. & P.O. Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Khushal Chand, Shri Mathela Ram ss/o Shri Tahla Ram, VPO Jandiala, Teh. Nawan Shehar. (Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 28 Kanals and 13 marlas in village Jandiala as mentioned in sale deed No. 3875 of January 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 325/NWS/78-79.—Whereas, I P. N. MALJK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Kotla Gons Pur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Hoshiarpur on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !lability
  of the transfer to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Karam Chand s/o Shri Bachittar Singh s/o Shri Kirat Singh, R/o Vill. Kotla Gonspur, P.S. Sadar, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal s/o Shri Hans Raj s/o Shri Shiv Dial, R/o Jagatpura (Hoshiarpur).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 37 Kanals and 5 marlas in village Kotla Gonspur as mentioned in sale deed No. 3578 of January 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 28th August 1578

Ref. No. A.P. 326/MGA/78-79.--Whereas, 1 P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per schedule situated at Vill. Flahgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zire in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18--266GI/78

(1) Shrimati Hardip Kaur d/o Shri Sunder Singh s/o Shri Ranjodh Singh, R/o Vili. 1 .hgarh, Tch. Zira (Ferozepur).

('Transferor)

- (2) Shii Bohar Singh s/o Shii Dayal Singh s/o Shri Bishan Singh, R/o Vill. Flahgarh, Teh. Zira (FZR). (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of n like on the respective persons, whichever period a parts later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 83 Kanals and 1 marla in village Flahgarh as mentioned in sale deed No. 5288 of January 1978 registered with the S.R. Ziru.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatm

Date: 28-8-1978

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. Λ.P. 327/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Vill, Jandiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shchar on January, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharam Chand s/o Shri Bhagat Ram, R/o Vill. Gobindpur, Teh. Nawan Shchar.

(Transferor)

(2) Shri Sunder Dass s/o Shri Attru Ram, V & P.O. Jandiala, Tch. Nawan Shehar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 Kanals in village Jandiala as mentioned in sale deed No. 3876 of January 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda,

Date: 28-8-1978

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 328/NWS/78-79.--Whereas, J. P. N.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Jandiala, situated at Gurdev Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Piara Ram s/o Shri Sunder Dass, Vill. Diala, Teh. Garh Shanker at present Vill. Jandiala (Nawan Shehar).

(Transferor)

(2) Shri Chodari Ram, Mathela Ram ss/o Shri Tahla Ram, VPO Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Kanals and 13 marlas in Village Jandiala as mentioned in sale deed No. 3878 of January 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 329/MGA/78-79 --- Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per schedule situated at V. Kishanpura Kalan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Zira on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Dalip Singh, Surjit Singh ss/o Ujjagar Singh s/o Shri Kharak Singh, R/o Vill. Kishanpura Kalan, Teh. Zira.

(Transferor)

- (2) Shri Harnam Singh s/o Shri Hazara Singh s/o Shri Sada Singh, R/o Vill. Kukri Buttan, Teh, Zira. (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 Kanals and 16 marlas in village Kishan Pura Kalan as mentioned in sale deed No. 5255 of January 1978 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda,

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 330/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at V. Hakumatpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garh Shanker on January 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Girdhari Lal s/o Shri Gokal Chand s/o Shri Nanak, R/o Vill. Thuana, Teh. Garh Shanker.

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Maluk Singh s/o Shri Bhagwan Singh, R/o Vill. Thuana, Teh. Garh Shanker.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 Kanals and 1 marla in village Hakumatpur as mentioned in sale deed No. 2920 of January 1978 registered with the S.R. Garh Shanker.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhating

Date: 28-8-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Rcf. No. A.P. 331/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Vill. Hakumatpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Garh Shanker on January 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Shri Girdhari Lal s/o Shri Gokal Chand s/o Shri Nanak of Vill. Thowana, Teh. Garh Shanker.

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Malook Singh s/o Shri Bhagwan Singh, Vill. Thowana, Teh. Garh Shanker.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 Kanals and 3 marlas in village Hakumatpur as mentioned in sale deed No. 2972 of January 1978 registered with the S.R. Garh Shanker.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda,

Date: 28-8-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 332/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Zira,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Chanan Singh Urf Charan Singh, Lakhbir Singh, Santokh Singh, Kartar Singh, Darbara Singh ss/o Baaj Singh s/o Shri Suchet Singh, R/o Vill. Bhandala Purana, Teh. Zira.

(Transferor)

(2) S/Shri Shangara Singh, Anup Singh, Bhagwant Singh ss/o Shri Jeon Singh s/o Shri Bishan Singh, R/o Zira.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 Kanals situated in village Zira as mentioned in sale deed No. 5316 of January 1978 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatanda

Date: 28-8-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 333/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aild Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Nangal Khurd,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Garh Shanker on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to bme disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Mehnga Singh s/o Shri Jawala s/o Shri Sunder of village Nangal Khurd, Teh. Garh Shanker (HSP).

(Transferor)

(2) Shri Phuman s/o Shri Gonda s/o Shri Chandu of vill. Nangal Khurd, Tch. Garh Shanker (HSP).

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60 Kanals and 4 marlas in village Nangal Khurd as mentioned in sale deed No. 2979 of January 1978 registered with the S.R. Garh Shanker.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 334/BT)/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at V. Chand Bhan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaitu on January 1978,

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—266GI/78

(1) Shrimati Nihal Kaur wd/o Shri Gajjan Singh, village Chand Bhan, Teh. Jaitu.

(Transferor)

(2) S/Shri Chand Singh, Nand Singh Mohinder Singh, Mithu Singh, Baldev Singh as O Shri Sajjan Singh, village Chand Bhan, Teh. Jaitu.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 71 Kanals in village Chand Bhan as mentioned in sale deed No. 1135 of January 1978 registered with the S.R. Jaitu.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. AP. 335/NWS/78-79.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per S. No. 2 above situated at V. Banga,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawan Shehar in January 1978,

for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Bharat Property Dealers, through Shri Chuni Lal Banga, Teh. Nawan Shchar.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagdev Datt, Som Nath, Madan Lal, Ashwani Kumar, Mehar Chand ss/o Mangat Ram. Vill. Banga, Mohalla Gujjaran, H. No. 1705/ M.S.S.F., Banga, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Taur area measuring 19 marlas 7 sarsai and 6 sq. ft. in village Banga as mentioned in sale deed No. 4056 of January 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 336/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bagha Purana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on January 1978,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Bhagwan Kaur w/o Shii Narain Singh s/o Shri Ram Singh, village Bagha Purana, Teh. Moga.

(Transferor)

(2) Shrimati Punjab Kaur w/o Shri Uggur Singh s/o Shri Natain Singh, village Bagha Purana.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44 Kanals and 14 marlas in village Bagha Purana as mentioned in sale deed No. 6258 of January 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 337/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kapurthala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Harbhajan Singh, Udham Singh, Davinder Singh, ss/o Sunder Singh, R/o Kapurthala.

(Transferor)

(2) S/Shri Avtar Singh, Charan Singh ss/o Ishar Singh, R/o Vill. Bhagatpur (Kapurthala).

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have he same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals and 2 marlas in Kapurthala as mentioned in sale deed No. 2680 of January 1978 registered with the S.R. Kapurthala.

P. N. MALIK,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. AP. 338/HSR/78-79.—Whereas, I P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Nanowal Bet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balachaur in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Des Raj s/o Shri Badam Chand R/o Vill. Nanowal Bet, Teh. Balachaur (HSP).

(Transf**e**ror

(2) S/Shri Pala Singh, Kuldip Singh and Daishan Singh ss/o Kartar Singh, Vill. Khanori, Teh. Sunam.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 134 Kanals and 17 mails in village Nanowal Vet as mentioned in sale deed No. 1536 of January 1978 registered with the S.R. Balachaur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. AP. 339/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Lande,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

 Shri Bachittær Singh s/o Shri Arjan Singh, Village Lande, Teh. Moga.

(Transferor)

- (2) Shrimati Gurdev Kaur w/o Shri Harnek Singh and S/Shri Sarvjit Singh, Kanwaljit Singh ss/o Shri Harnek Singh, village Lande, Teh. Moga.

  (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.

  (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 Kanals and 1 marla in village Lande as mentioned in sale deed No. 6398 of January 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. Λ.P. 340/MGA/78-79.—Whereas, I P. N. MALIK,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

No. As per schedule situated at Vill. Dhala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moga in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Santokh Singh s/o Shri Bhana Singh s/o Shri Wazir Singh, Vill. Bughi Pura.

(Transferor)

(2) Shri Tajinder Singh s/o Shri Kartar Singh s/o Shri Kirpal Singh, Vill. Dhala, Teh. Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as afted defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 Kanals and 9 marlas in village Dhala as mentioned in sale deed No. 6366 of January 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 341/BTI/78-79.—Whereas, J, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  $R_{\rm 3}$ , 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Rampura Phul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rampura Phul in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Ishro Devi w/o Shri Mela Ram s/o Shri Suria Mal, R/o Vill. Mandi Phul.

(Transferor)

(2) Shri Balkar Singh s/o Shri Sardara Singh s/o Shri Phuman Singh, Vill. Mehna, Teh Bhatinda,

(Transferee)

(3) As pci S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 Kanals and 3 marlas in village Rampura Phul as mentioned in sale deed No. 2971 of January 1978 registered with the S.R. Rampura Phul.

P. N. MALIK
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTIC<sup>71</sup> UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFIC: OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 342/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Mojea Dhaban Kakiean, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on January 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (\*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—266GI/78

 Shrimati Kaushaliya Devi widow (2) Shrimati Saroj Kumari d/o Shri Hans Raj s/o Shri Chanda Ram, R/o Gali No. 10, Mandi Abohar through Shri Gopal Krishan, Mukhtiar-iam.

(Transferor)

(2) Shrimati Ram Piari d/o Shri Surja Ram (2) Shrimati Jani Devi w/o Shri Shanker Lal s/o Shri Bogha Ram (3) Shrimati Bhupi Devi w/o Shri Phusa Ram s/o Shri Bogha Ram, R/o village Sardarpur, Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 71 Kanals and 16 marlas in village Mojea Dhaban Kakrenn as mentioned in sale deed No. 2330 of January 1978 registered with the S.R. Abohar

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 343/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at V. Panjawan Mandal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fazilka on January 1978,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Chandi d/o Shrimati Pari, R/o village Chak, 29-B.B., Teh. Padampur, Distt. Ganganagar.

  (Transferor)
- (2) S/Shri Chanan Singh, Bogga Singh ss/o Shri Kishan Singh, R/o village Panjawan Mandal, Teh. Fazilka.

  (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 125 Kanals in village Panjawan Mandal as mentioned in sale deed No. 2163 of January 1978 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

#### FORM ITNS -------

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No.  $\Lambda$ .P. 344/NWS/78-79.—Whereas, I P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Vill. Soita,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market have of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khajan Singh 5/0 Shri Meva Singh, R/0 Vill. Soita, Teh. Nawan Shehar (Jullundur).
  (Transfero)
  - (110101010)
- (2) Shri Surinder Kumar s/o Shri Jagan Nath s/o Shri Bishna Ram Banga, Teh. Nawan Shehar (Jull.).

  (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 Kanals and 1 marlas in village Soita as mentioned in sale deed No. 3812 of January 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MAI IK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 345/NWS/78-79.—Whereas, I.P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Vill. Rahon,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Nawan Shehar in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shrimati Joginder Kaur w/o Shri Amrik Singh, VPO Rahon, Teh. Nawan Shehar. (Transferor)
- (2) Shri Inderjit Singh s/o Shri Bakhshish Singh, V & P.O. Rahon, Teh. Nawan Shehar.

  (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

  (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 Kanals and 13 marlas in village Rahon as mentioned in sale deed No. 3989 of January 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar,

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 346/SPL/78-79.—Whereas, 1 P. N.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Vill. Saboo Wal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sultanpur Lodhi in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the ransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Sewa Singh, Surat Singh Mewa Singh ss/o Bali Singh, R/o Vill. Saboo Wal, Teh. Sultanpur Lodhi, (Kapurthala).

(Transferor)

(2) S/Shri Bachan Singh, Kishan Singh, ss/o Sunder Singh, R/o Vill. Kolia Wala, Teh. Sultanpur Lodhi, Distt. Kapurthala.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 37 Kanals and 2 marlas in village Saboo Wal as mentioned in sale deed No. 1559 of January 1978 registered with the S.R. Sultanpur Lodhi.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 347/NWS/78-79.—Whereas, I P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at V. Jandiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawan Shehar in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Charan Dass s/o Shri Sunder Dass, Vill. Diala, Teh. Garh Shanker Now R/o Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Nihal Chand, Mathela Ram ss/o Shri Tehla Ram, VPO Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transforce)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Kanals and 13 marlas in village Jandiala as mentioned in sale deed No. 3877 of January 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

#### 5705

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 348/HSR/78-79-.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Mahadipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dasuva in January 1978.

with the object of :--

and/or

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pritam Singh s/o Shri Thakur Singh, Village Mahadipur, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Singh s/o Shri Ujjagar Singh, village Naraingarh, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals in village Mahadipur, Teh. Dasuya as mentioned in sale deed No. 3622 of January 1978 registered with the S.R. Dasuya.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 349/SHR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Mahadipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dasuya in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Pritam Singh s/o Shri Thekur Singh, vill. Mahadipur, Teh. Dasuya, Distt. HSP.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Singh s/o Shri Ujjagar Singh, R/o Vill. Naran Garh, Teh. Dasuya.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals and 6 marlas in village Mahadipur as mentioned in sale deed No. 3621 of January 1978 registered with the S.R. Dasuya.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA,

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 350/NWS/78-79.—Whereas, I P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Musepur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer and Nawan Shehar on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Parkash s/o Shri Daya Ram, Mohalla Lalian, Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Smt. Bhupindei Kaur w/o Shri Harbans Singh through Shri Harbans Singh s/o Shri Ghia Singh Musepur Road, Nawan Shehar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper' may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 Kanals and 18 marlas in village Musepur as mentioned in sale deed No. 3977 of January 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 351/ABH/78-79.--Whereas, I P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Tutwala,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ako Bai d/o Shri Hakam Singh s/o Shri Nand Singh, R/o village Tutwala, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Kulwinder Singh s/o Shri Mohan Singh s/o Shri Bachittar Singh, R/o Tutwala, Teh. Fazilka (R/o Ganganagar also).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 114 Kanals and 14 marlas in village Tutwala as mentioned in sale deed No. 2388 of January 1978 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 352/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Vill. Soeta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawan Shehar in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinder Kumar s/o Shri Jagan Nath, VPO Banga, Teh. Nawan Shchar (Jullundur).

(Transferor)

(2) Mrs. Gurbachan Kaur w/o Shri Piara Singh, VPO Socta, Teh. Nawan Shehar (Jullundur).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under-signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 Kanals and 1 marlas in village Socta as mentioned in sale deed No. 3975 of January 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 353/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Khassan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bholath in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating to concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kapoor Singh s/o Shri Sharm Singh s/o Shri Nidhan Singh, R/O village Khassan, Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurcharan Singh, Pritam Singh, Mohinder Singh, Harbhajan Singh ss/o Kirpal Singh, Model Town, Talwara & (ii) Kartar Singh s/o Mulla Singh (iii) Smt. Basant Kaur w/o Kartar Singh, R/O Nazaampur, (Kapurthala).

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63 Kanals and 1 Marlas in village Khassan as mentioned in sale deed No. 1774 of January 1978 registered with the S.R. Bholath.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

#### -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 354/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Vill, Kotli Khurd,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dasuya in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Iqbal Kaur d/o Smt. Islas Kaur, Vill. Kotli Khurd, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh s/o Shri Amai Singh, Vill. Kotli Khurd, Teh. Dasuya (HSP).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 Kanals and 19 marlas in village Kotli Khurd as mentioned in sale deed No. 3457 of January 1978 registered with the S.R. Dasuya.

P. N. MALIK

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th August 1978

Ref. No. A.P. 355/KPR/78-79.—Whereas, I.P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Jalal Bhulana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala in January 1978,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurmukh Singh s/o Shri Piara Singh s/o Shri Jawand Singh, R/O Village Jalal Bhulana, Teh. Kapurthala.

(Transferor)

(2) S/Shri Balbir Singh, Shamsher Singh, Datar Singh, Daljit Singh 55/0 Joginder Singh, Vill. Jalal Bhulana, Teh. & Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 Kanals and 19 marlas in village Jalal Bhulana as mentioned in sale deed No. 2832 of January, 1978 registered with the S.R. Kapurthala.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 28-8-1978

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 9-FOREST PARK, BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the .16th September 1978

Ref. No. 76/78-79/IAC(A/R)/BBSR.--Whereas, I B. MISRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 895 situated at Bali Sahi (Puri), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurance Calcutta on 19-12-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Renuka Bala Sarkar.
  - 2. Bithika Sarkar.
  - 3. Nomita Mazumdar.
  - 4. Sabita Bose.
  - Anita Ray.
     Ajanta Das.
  - 7. Murali Gopal Sarkar. 8. Bansi Gopal Sarkar.
  - Sovarani Ray Choudhuiy Madhyamgiam Dist. 24-Parganas.

(Transferor)

(2) 1. Shri Deb Kumar Bhowmik 2. Arun Kumat Bhowmik 2-Ranj Branch Road, Calcutta-2.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single Storeyed Building situated at mouza-Bali Sahi, Purrover Plot No. 895 and registered in the office of the Registrar of Assurance, Calcutta vide sale document No. I-5824 dated 19-12-1977.

B. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubanesw

Date · 16-9-1978

Seal ·

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th August 1978

Ref. No. Acq/1624-A/Budhana/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 14-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Assaram S/o Dhula, R/O Sadruddin Nagar, Parg. Shikarpur, Teh. Budhana, Disstt. Muzaffarnagar.

(Transferor

(2) S/<sup>c</sup>hri Baru Singh, Harpal Singh, Despal Singh, Harbir Singh and Munshiram, R/O Sadruddin Nagar, Parg. Shikarpur, Jeh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable Property consisting of Agricultural Land measuring 9 Bigha, 2 Biswa and 18 Biswansi situated at Vill. Sadruddin Nagar, Parg. Shikarpur, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an Apparent Consideration of Rs. 87,000/-.

L. N. GUPTA.
Competent Authority,
-asspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur

Date: 10-8-78